Naxalite Movement and Challenges

Presented by

Dr. Girish Kant Pandey

(M.Sc., B.J., Ph.D., D.Litt.)

Registrar,

Pt.Ravishankar Shukla University, Raipur,
Chhattisgarh

Naxalite Movement and Challenges

- Preface
- Geo-Strategic Studies
- CPI (Maoist)
- Naxalite Expansion
- Naxalite Strategy
- Anti Naxalite Movements
- Naxalite Psychological Warfare
- Ambush
- Mines
- Patrols
- Mass Organisation
- People's War
- Naxalite, Security Forces and Public
- Conclusion

प्रस्तावना

भारतीय राज्य व्यवस्था

भारतीय राजनीतिक पार्टी

गुरिल्ला संक्रिया के प्रकार

गुरिल्ला युद्धकर्म के प्रक.

गुरिल्ला युद्ध के आधारभूत आवश्यकता

गुरिल्ला युद्धकर्म का प्रारंभ

भारतीय राज्य व्यवस्था

- केन्द्र का विषय
- राज्य का विषय
- समवर्ती सूची

फलस्वरूप ऐसे क्षेत्र जो राज्य के विषयों से परिपूर्ण थे जैसे कृषि, वे क्षेत्र तेजी से प्रगति करने लगे । उदाहरण पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश आदि ।

दूसरी ओर ऐसे क्षेत्र जो केन्द्र का विषय था, जैसे खनिज (यथा लोहा, कोयला आदि) के उत्पादन से मिलने वाला लाभ केन्द्र के पास चला जाता था परिणाम स्वरूप ऐसे क्षेत्र उस लाभ से वंचित होता रहा है । अर्थात् खनिजों से भरा क्षेत्र विकास में पिछड़ते चले गए, जैसे छत्तीसगढ़, उड़ीसा, झारखण्ड आदि ।

- नक्सली गतिविधि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के हाथों में है ।

- भाकपा (माओवादी) भारतीय दल व्यवस्था के अंतर्गत राष्ट्रीय और धर्म निरपेक्ष, वैचारिक दल के रूप में है । जो अपने दल के अंदर अलोकतांत्रिक होते है ।

- यह वामपंथी, उग्रवादी कम्युनिस्ट दल है, जिसे संसदीय प्रणाली में विश्वास नहीं है ।

गुरिल्ला यद्ध के आधारभूत आवश्यकता

- उद्देश्य का समर्थन
- आक्रमक कार्यवाही
- गोपनीयता
- सतर्कतापूर्ण स्थान परिवर्तन
- परिस्थिति अनुरूप वीरतापूर्ण कार्य
- गतिशीलता
- धोखा
- सहयोग
- मनोबल
- योजना

छत्तीसगढ़ : भू–सामरिक अध्ययन

भौतिक स्वरूप

जनसंख्या विभाजन

यातायात के साधन

खनिज संसाधन

वन क्षेत्र

बस्तर: भू-भौतिकी विभाजन

नक्सली और वन क्षेत्र

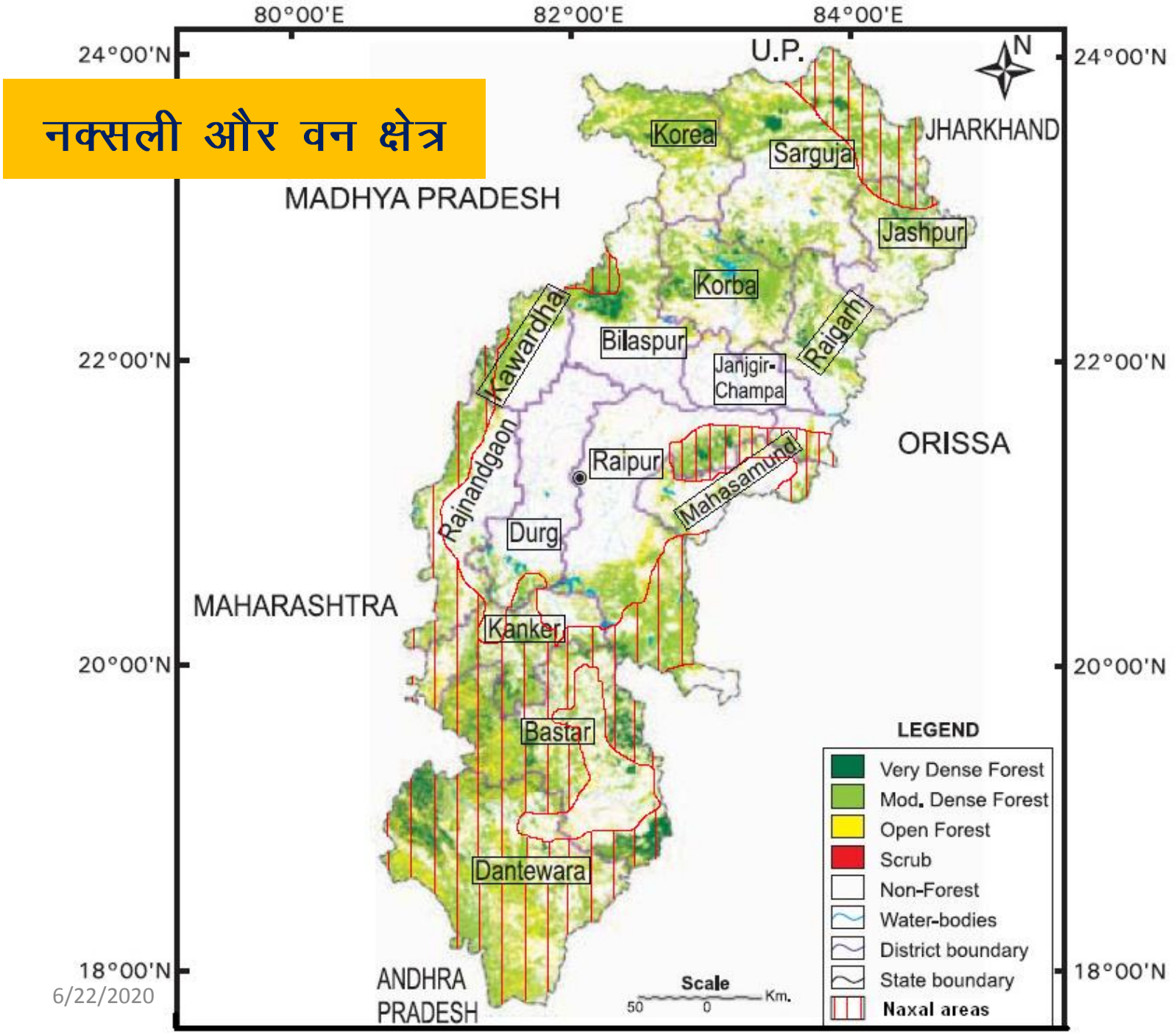

बस्तर क्षेत्र वनो से आच्छादित है । यहां जनसंख्या घनत्व भी कम है, साक्षरता दर भी कम है, यातायात–संचार साधन भी कम है और राजनीतिक जागरूकता का अभाव है । यही कारण है कि यहां नक्सली बड़े सफल है ।

भूसामरिक अध्ययन से पता चलता है कि यहां नक्सली गतिविधियों का प्रभाव को निम्न गणितीय विधि से समझाया जा सकता है –

नक्सली प्रभाव = N

भू–भौतिकी बनावट = Ph

वन क्षेत्र = Fo

साक्षरता दर = L

गरीबी = Po

यातायात साधन = T

जनसंख्या घनत्व = Pd

विकास = D

अध्ययन से पता चलता है कि भू–भौतिकी बनावट, वन क्षेत्र और गरीबी के बढ़ने से नक्सली प्रभाव बढ़ता है जो समानुपाति तीव्रता को बढ़ाता है –

$$\therefore N \alpha Ph$$

$$N \alpha Fo$$

$$N \alpha Po$$

$$\therefore N \alpha Ph \times Fo \times Po ------(i)$$

इसी प्रकार क्षेत्र में साक्षरता दर, यातायात साधन, जनसंख्या घनत्व और विकास के घटने/कमी से नक्सली प्रभाव बढ़ता है, जो समानुपातिक तीव्रता को बढ़ाता है –

$$\therefore N \alpha \frac{1}{L}$$

$$N \alpha \frac{1}{T}$$

$$N \alpha \frac{1}{Pd}$$

$$N \alpha \frac{1}{D}$$

$$\therefore N \alpha \frac{1}{L \times T \times Pd \times D} \quad ---------(ii)$$

$$\Rightarrow N\alpha \frac{Ph \times Fo \times Po}{L \times T \times Pd \times D}$$

$$\Rightarrow N = K \times \frac{Ph \times Fo \times Po}{L \times T \times Pd \times D}$$ {K = xq.kkad

उपरोक्त समीकरण से नक्सली प्रभाव को समझा जा सकता है ।

- अंश में कोई भी एक घटक शून्य होगा तो नक्सली प्रभाव भी शुन्य हो सकता है ।
- वहीं हर में कोई भी एक घटक शून्य होगा तो नक्सली प्रभाव भयावह हो सकता है ।

नक्सलवाद

- प्रसार
- पीपुल्स वार ग्रुप
- एकीकरण
- भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी (माओवादी)
- माओवादी राजनीतिक संगठन
- माओवादी सैन्य संगठन

चारू मजूमदार

कानू सांयाल

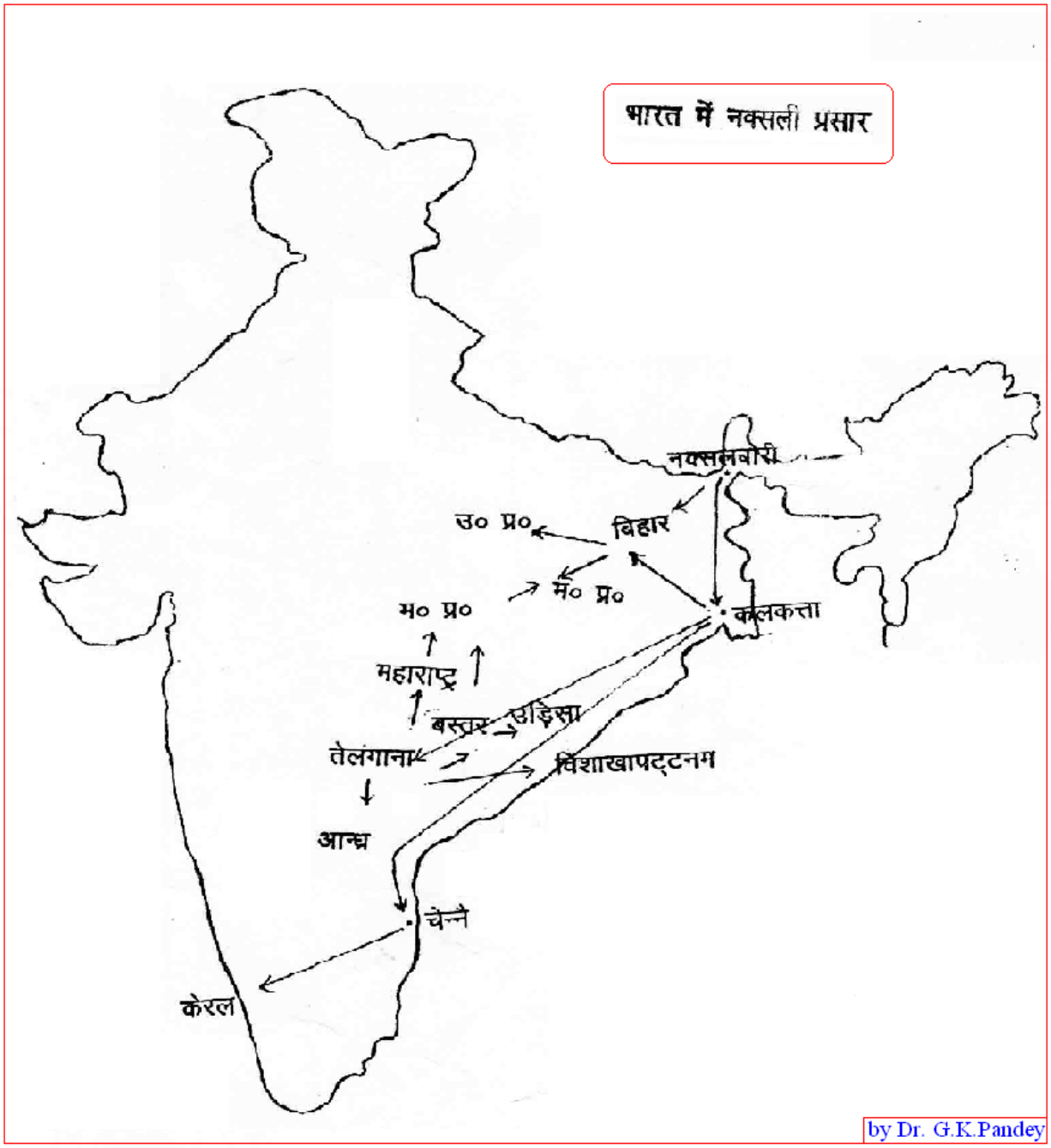

by Dr. G.K.Pandey

पीपुल्स वार ग्रुप

CPI (ML) PWG

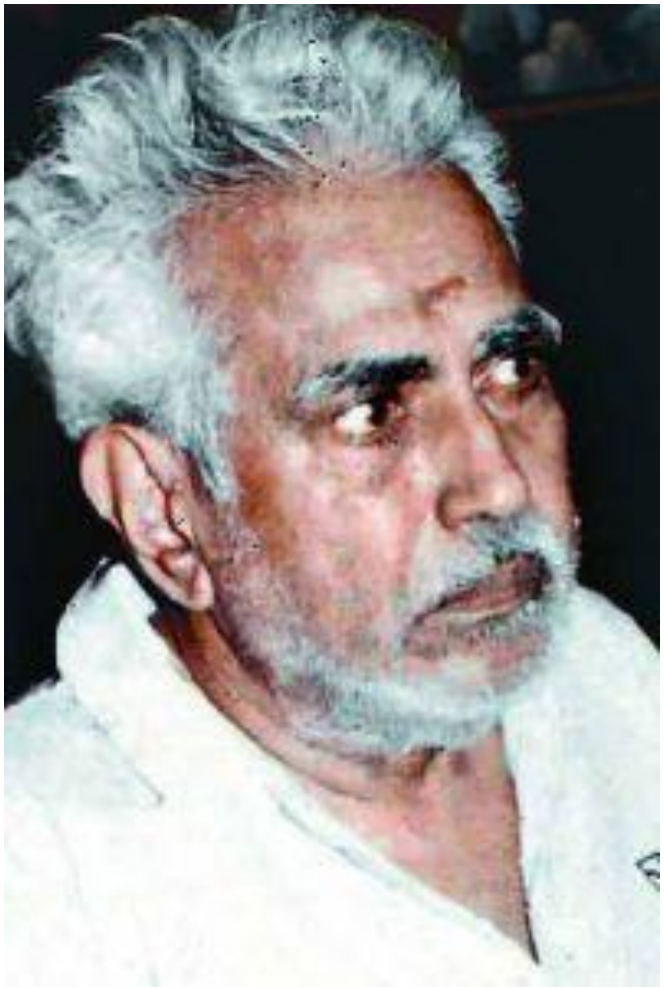

कोंडापल्ली सीतारमैया

गणपति

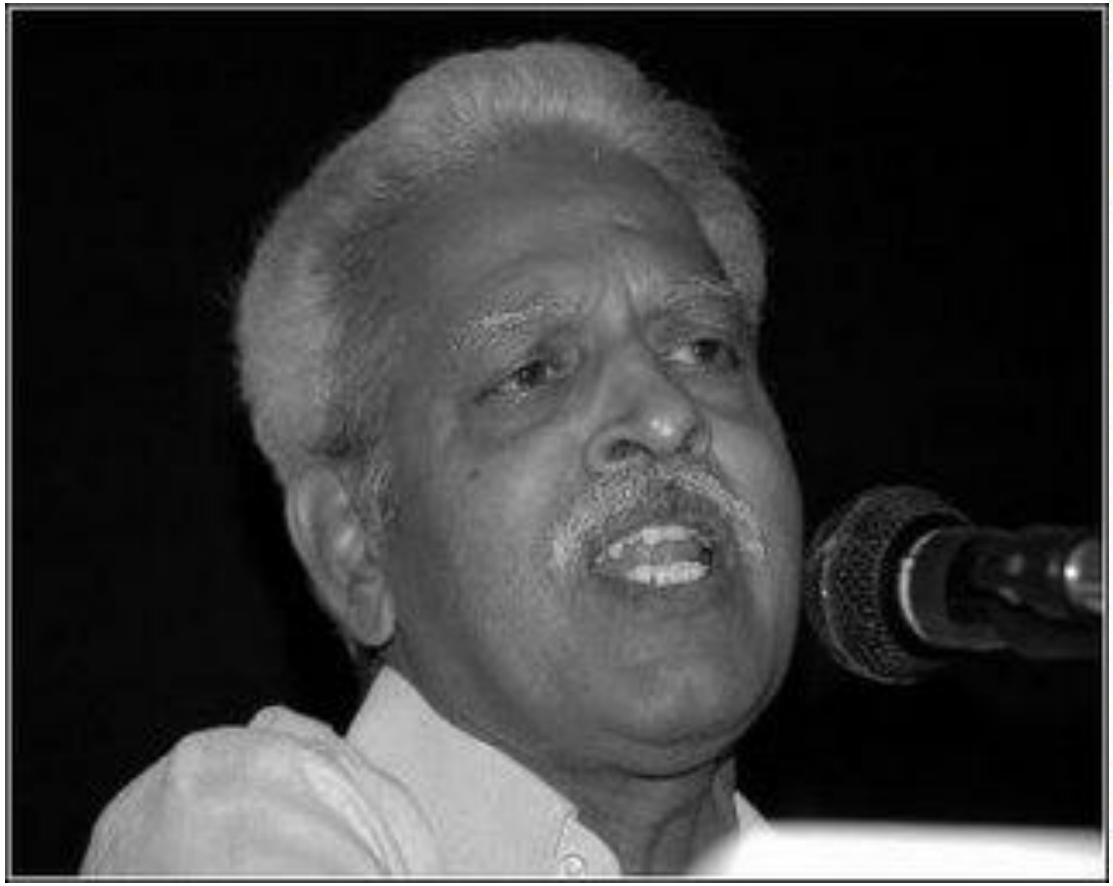

वरवर राव

गदर

Stages of Naxal Movement

No.	Stages	First Stage	Second Stage	Third Stage
1	Period	1967-1980	1980-2004	2004-till date
2	Ideology	Maoism	Marxism-Leninism-Maoism	Marxism-Leninism-Maoism
3	Mode of Operandi	Idealistic	Realistic	Realistic
4	Recognition	National	International	International
5	Effective Area	Limited Area	Regional Area	Vast Area

No.	Stages	First Stage	Second Stage	Third Stage
6	Gain	Limited Impact	Guerilla Zone	Base Area
7	Conflict	Limited Conflict	Guerilla War	Mobile War
8	Affected Class	Peasant	Peasant, Tribal	Peasant, Tribal, Backward Class
9	Leading Organisation	CPI(ML):Liberation, CC, Vinod Mishra, Red Flag, RCC(I)	CPI(ML):PWG-PW, Party Unity, MCC(I)	CPI (Maoist)
10	Prime Leader	Charu, Kanu, Vinod , Satyanarayan	Sitaramaiya, Ganpati, Chandra Mouli	Azad, Ganpati, Kishan, Kobad,

Unification

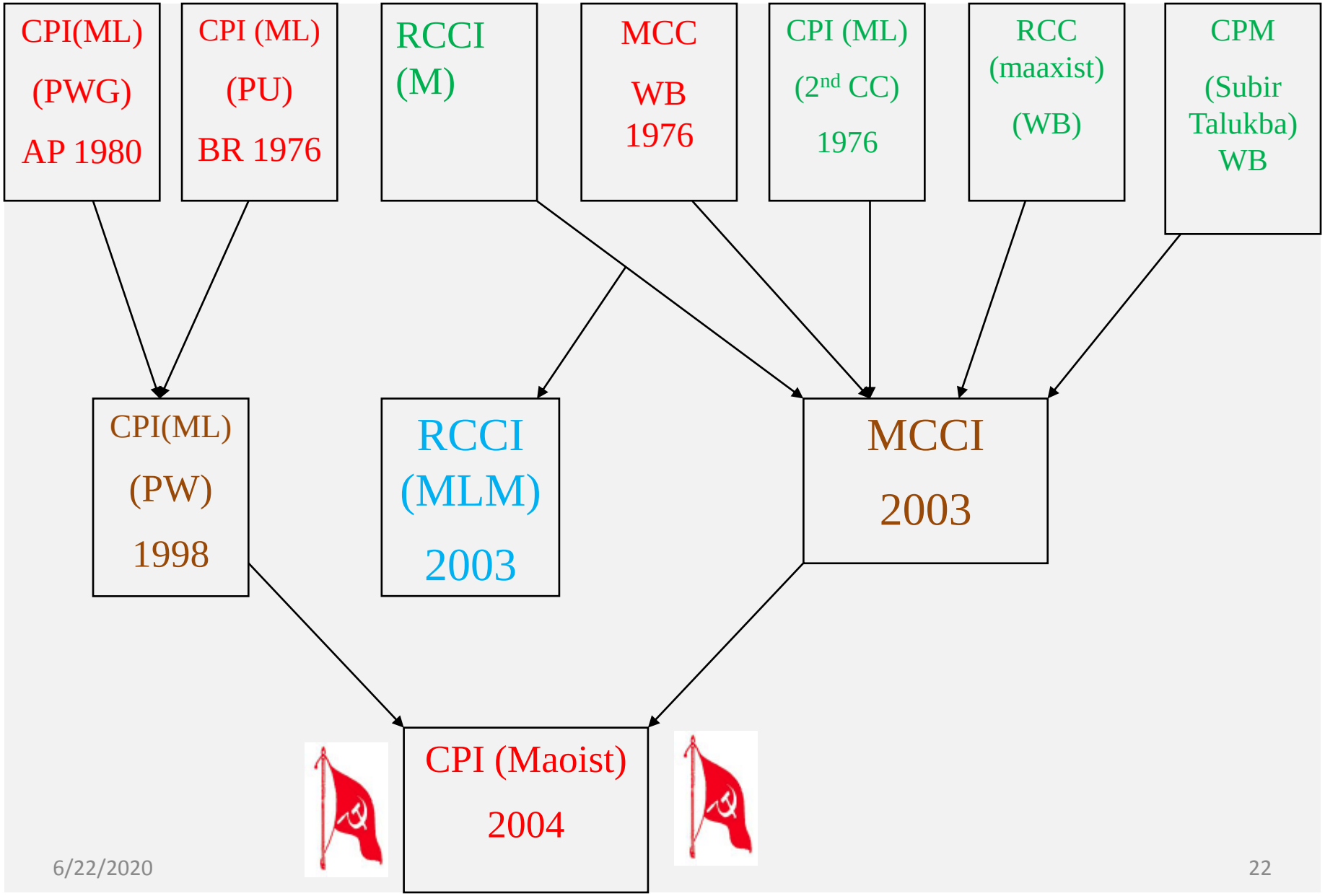

Naxals : Political Wings

- **Party Congress**
- **Central Organising Committee**
- **Polit Bureau**

- **Regional Bureau – 5 (North, South-Western, OR-CG, Eastern, Central)**
- **Special Area Committee – i. JU SAC (UK, UP & North BR), ii. South BR-JH-WB SAC**
- **State Committee – 13 (PU, HR, DL, UP, BR, JH, WB, CG, OR, MH, AP, KR, TN)**

Naxals : Political Wings

- **District Committee**
- **Sub District Committee**
- **Area Committee**
- **Town & City Committee**
- **Gram Committee**
- **Sangham + Other Frontal organisation**
- **Peoples Militia (Basic Force)**
  (Local Revolutionary Guerilla Squad)

Naxal : Military Wings

- Party Congress
- Central Organising Committee
- Central Military Committee
- State Military Committee (AP, BR, JH) /
  Special Zonal Committee (NT, DK & AOB SZC)
- Sub Special Zonal Committee /
  Regional Committee(BR, JH)

Naxal : Military Wings – Main Force

- District/ Divisional/ Zonal Command (BR, JH, (PLGA) WB)
- Sub District/ Sub Divisional/ Sub Zonal Command
- Coy Command
- Pl Command
- Squad Command

Naxal : Military Wings – Secondary Force

- District Command (PGA)
- Sub District Command
- Area Command/ ARD
- Squad Command/ Dalam
- Local Guerilla Squad
- GRD

दलम और संघम का गुरिल्ला क्षेत्र में जन मिलिशिया प्रशिक्षण

दलम और संघम का गुरिल्ला क्षेत्र में जन मिलिशिया प्रशिक्षण

नक्सली समरनीति

- जनताना सरकार
- शहरी समरनीति
- क्रांतिकारी युद्ध पद्धति
  - गुरिल्ला युद्ध पद्धति
  - चलायमान युद्ध पद्धति
  - स्थितिपूर्ण युद्ध पद्धति
- भूगोल और विस्तार
  - गुरिल्ला जोन
  - गुरिल्ला आधार
  - मुक्त क्षेत्र

नक्सलियों का अंतिम लक्ष्य

भारत में सतत जन युद्ध के माध्यम से नई लोकतांत्रिक क्रांति का अंतिम लक्ष्य

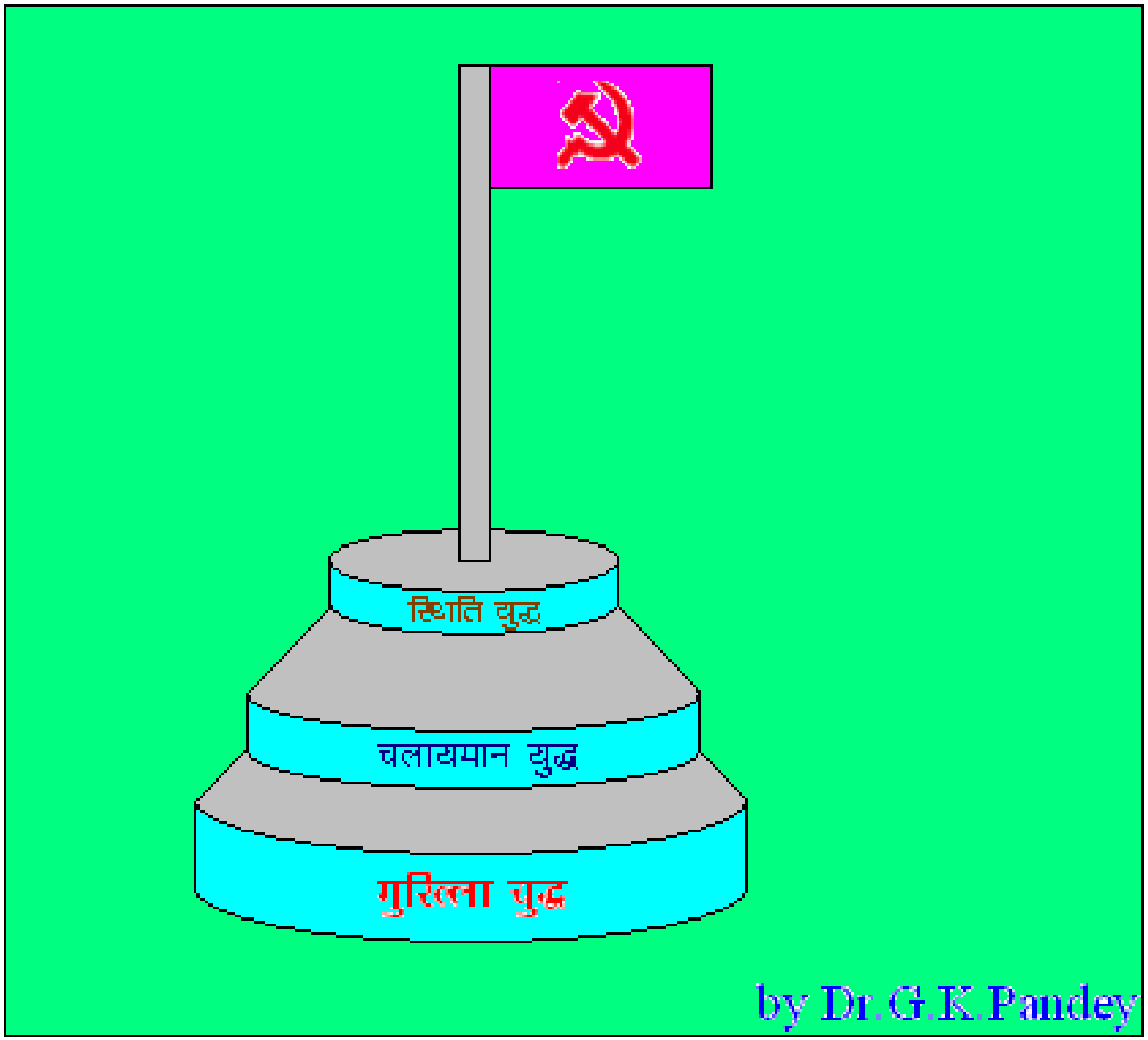

सतत जनयुद्ध (Protracted People's War)

क्र.	युद्ध के प्रकार	लड़ने वाला दल	लक्ष्य
1-	**गुरिल्ला यद्ध (Guerilla War)**	• गुरिल्ला दल, • पीपुल्स गुरिल्ला आर्मी, • छोटी–छोटी इकाई	गुरिल्ला आधार का निर्माण
2-	**चलायमान यद्ध (Mobile War)**	• गुरिल्ला दल के साथ सैन्य दल । • पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी, • बड़ी–बड़ी इकाई	मुक्त क्षेत्र का निर्माण
3-	**स्थिति यद्ध (Positional War)**	• पूर्ण सैन्य दल (जिसमें वायु और नौसेना भी शामिल हों) • पीपुल्स लिबरेशन आर्मी	जन शक्ति और जन सत्ता

War Strategy

No.	Stage	First Stage	Second Stage	Third Stage
1	War	Guerilla War	Mobile War	Positional War
2	Movement	Survey, Enter & Continue Presence	To Built Base Areas	Presence and Action in Cities & Capitals
3	Action	Defensive Action	Offensive Action	Face to face Action
4	Aim	To Paralyses Govt. Machinery	To Create Janatana Sarkar	Take over Govt. Power
5	Dispersion / Expansion	Forest & Remote Area	Country Side / Plain Area	Towards Town, City & Metro

CPI (Maoist) – 9th Congress

माओवादी पीपुल्स आर्मी का प्रशिक्षण

माओवादी पीपुल्स आर्मी का केम्प

भूगोल और विस्तार

1. गुरिल्ला जोन – यह नक्सल सर्मथकों का 20–25 गांवो का छोटा पहूंच विहिन क्षेत्र होता है। इसके आसपास कायवाही कर नक्सली इस क्षेत्र में विलुप्त हो जाता है ।

2. गुरिल्ला आधार क्षेत्र – कई गुरिल्ला जोन और आसपास लगे क्षेत्रों को मिलाकर आधार क्षेत्र तैयार किया जाता है ।

3. मुक्त क्षेत्र – शत्रु की प्रभावी शक्ति को खत्म कर आधार क्षेत्र को मुक्त क्षेत्र में बदला जाता है । नक्सलियों ने अबुझमाड़ को पहला मुक्त क्षेत्र बनाया है।

प्रतिनक्सली कार्यवाही

उद्देश्य

आवश्यक तत्व

- नागरिक एवं पुलिस प्रशासन के मध्य सामन्जस्यता
- कमान और नियंत्रण
- उत्तम गुप्तचरी
- गतिशीलता
- प्रशिक्षण

प्रतिनक्सली कार्यवाही

कार्यवाही

स्थानीय जनता का समर्थन

आधार

गतिशीलता

आपूर्ति

जीतने की आशा

दिल और दिमाग जीतना

पुलिस

नक्सली प्रभावित क्षेत्र में पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर का संयुक्त कार्यवाही

दृश्यता

प्रतिनक्सली कार्यवाही मे लगे विशेष कमाण्डो समूह

क्र.	राज्य / बल का नाम	कमाण्डो का नाम
1.	छत्तीसगढ	कोया कमाण्डो /एस.पी.ओ.
2	महाराष्ट	सी 60
3	उडिया	एस.ओ.जी.
4	सी.आर.पी.एफ	कोबरा बटालियन
5	आन्ध्र प्रदेश	ग्रे हाऊण्ड
6	बिहार	बी.एम.पी.
7.	झारखण्ड	एस.टी.एफ

प्रति नक्सली कायवाही में दो मुख्य कमी है –

- केन्द्र या राज्य शासन से प्रति नक्सली कायवाही के लिय प्राप्त होने वाला बजट का पुरा उपयोग नही होना। छत्तीसगढ़ मे ही केवल 64.04 प्रतिशत बजट का उपयोग हो पा रहा है।

- प्रति नक्सली कायवाही मे लगे बटालियन एवं कम्पनी मे रिक्त पडे पद। छत्तीसगढ़ के एस.टी.एफ. मे ही लगभग 30 प्रतिशत पद रिक्त है। दूसरी ओर केन्द्र शासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार नक्सली प्रभावित सभी राज्यों मे कुल 97,000 पुलिस के पद रिक्त है। इन रिक्तियों को भरना जरूरी है।

नक्सली मनोवैज्ञानिक युद्धकर्म

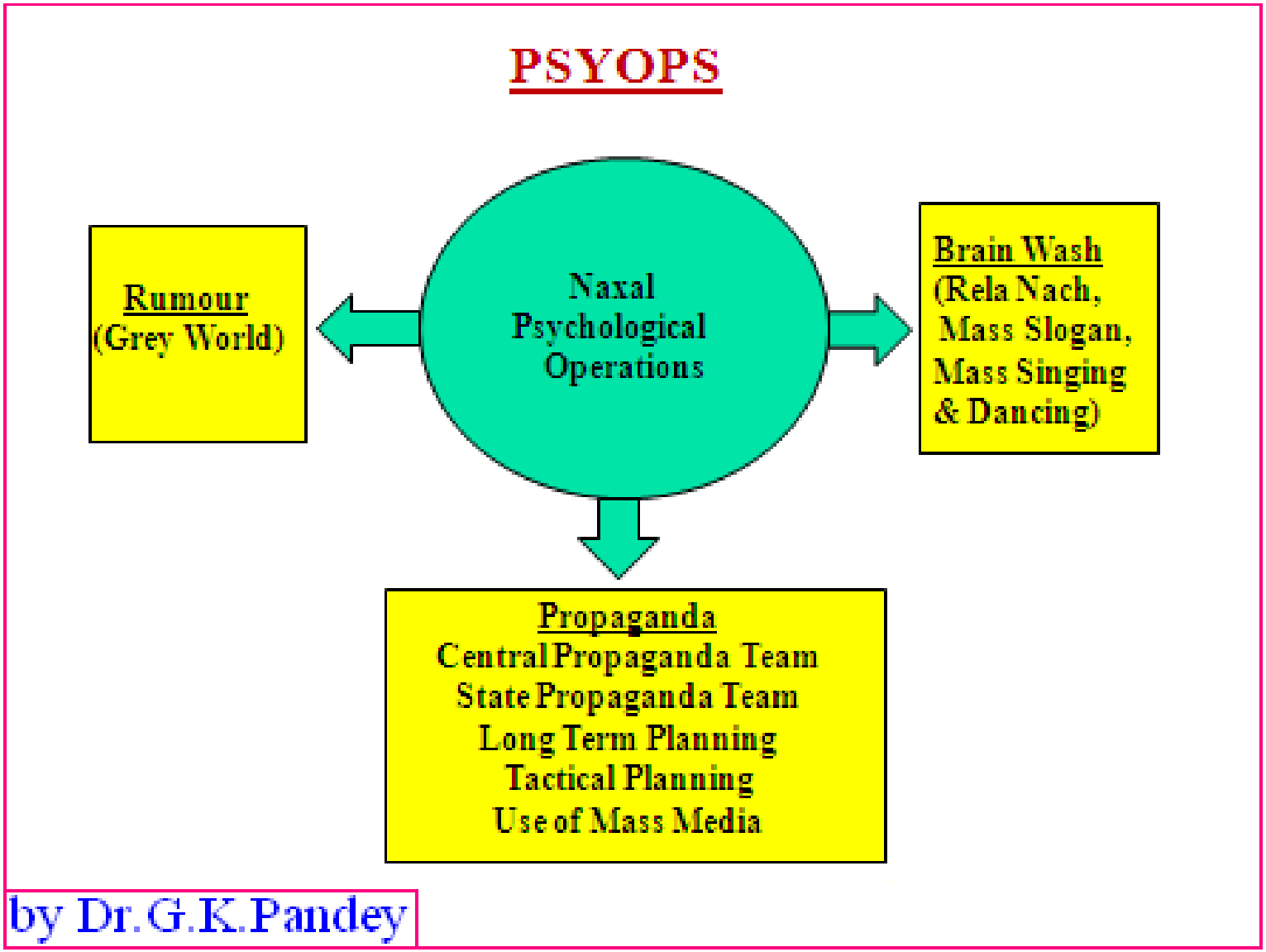

नक्सली प्रचार

प्रचार का समय – कम अवधी प्रचार, दीर्घ अवधी का प्रचार
(Time of Propaganda)

प्रचार की प्रमाणिकता – श्वेत प्रचार, श्याम प्रचार, भूरा प्रचार
(Authenticity of Propaganda)

सैन्य प्रचार – स्त्रात्जिक प्रचार समरतांत्रिक प्रचार
(Military Propaganda)

प्रचार की इकाई – प्रचार के लिए उपर से नीचे तक कई इकाई कार्यरत हैं ।
(Unit of Propaganda) जन नाट्य मण्डली, चेतना नाट्य मण्डली,
प्रकाशन डिविजन

प्रचार का क्षेत्र – स्थानीय प्रचार, क्षेत्रीय प्रचार, राष्ट्रीय प्रचार, अन्तर्राष्ट्रीय प्रचार
(Area of Propaganda)

प्रचार की भाषा – प्रचार के लिए अंग्रेजी, हिन्दी, तेलगू, मराठी, उड़िया, बंगाली
(Language of Propaganda) जैसे भाषा के साथ–साथ हल्बी, धूर्वा, गोंडी,
छत्तीसगढ़ी, भोजपुरी, मैथिल, संथाली आदि बोलियों का भी उपयोग करते हैं ।

नक्सली प्रचार – नारा

नीतिगत नक्सली प्रचार चक्र

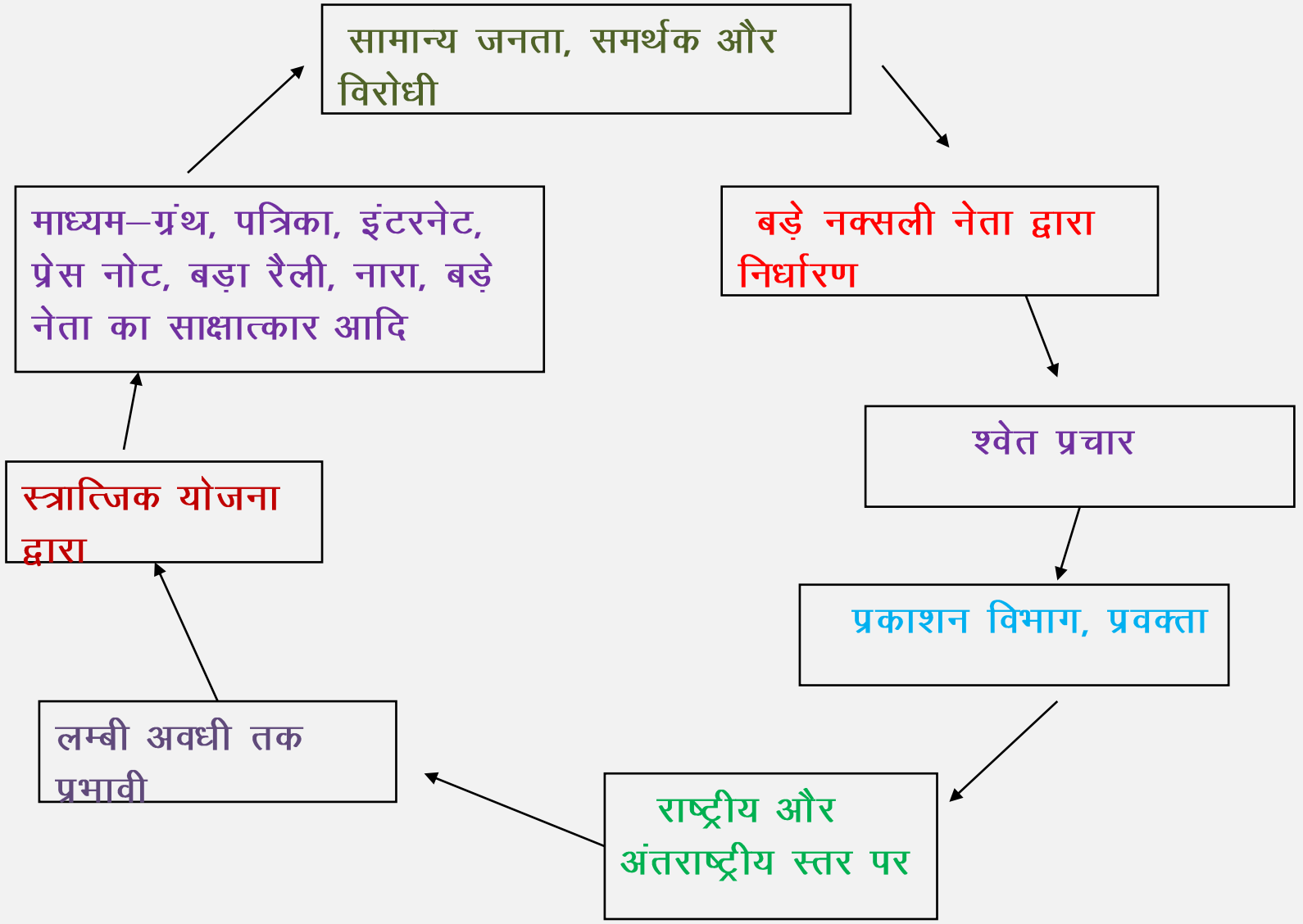

नक्सली प्रचार : श्रृंखला अभिक्रिया–1

नक्सली प्रचार : श्रृंखला अभिक्रिया–2

नक्सली पत्रिका

तीन बड़े पत्रिका

- पीपुल्स मार्च
- पीपुल्स ट्रूथ
- माओइस्ट इंफरमेशन बुलेटीन

दण्डकारण्य विशेष जोन की पत्रिका

- प्रभात – यह हिन्दी में प्रकाशित होने वाला राजनीतिक पत्रिका है ।
- विय्युक्का – यह गोंडी. कोयम में राजनीतिक और वैचारिक पत्रिका है ।
- पादियोरा पोल्लो – यह गोंडी / कोयम में प्रकाशित होने और वैचारिक पत्रिका है ।
- संघर्षरत महिला – यह हिन्दी में क्रांतिकारी आदिवासी महिला संघ की पत्रिका है ।
- झंकार – इसका प्रकाशन चेतना नाट्य मंच द्वारा कराया जाता है ।

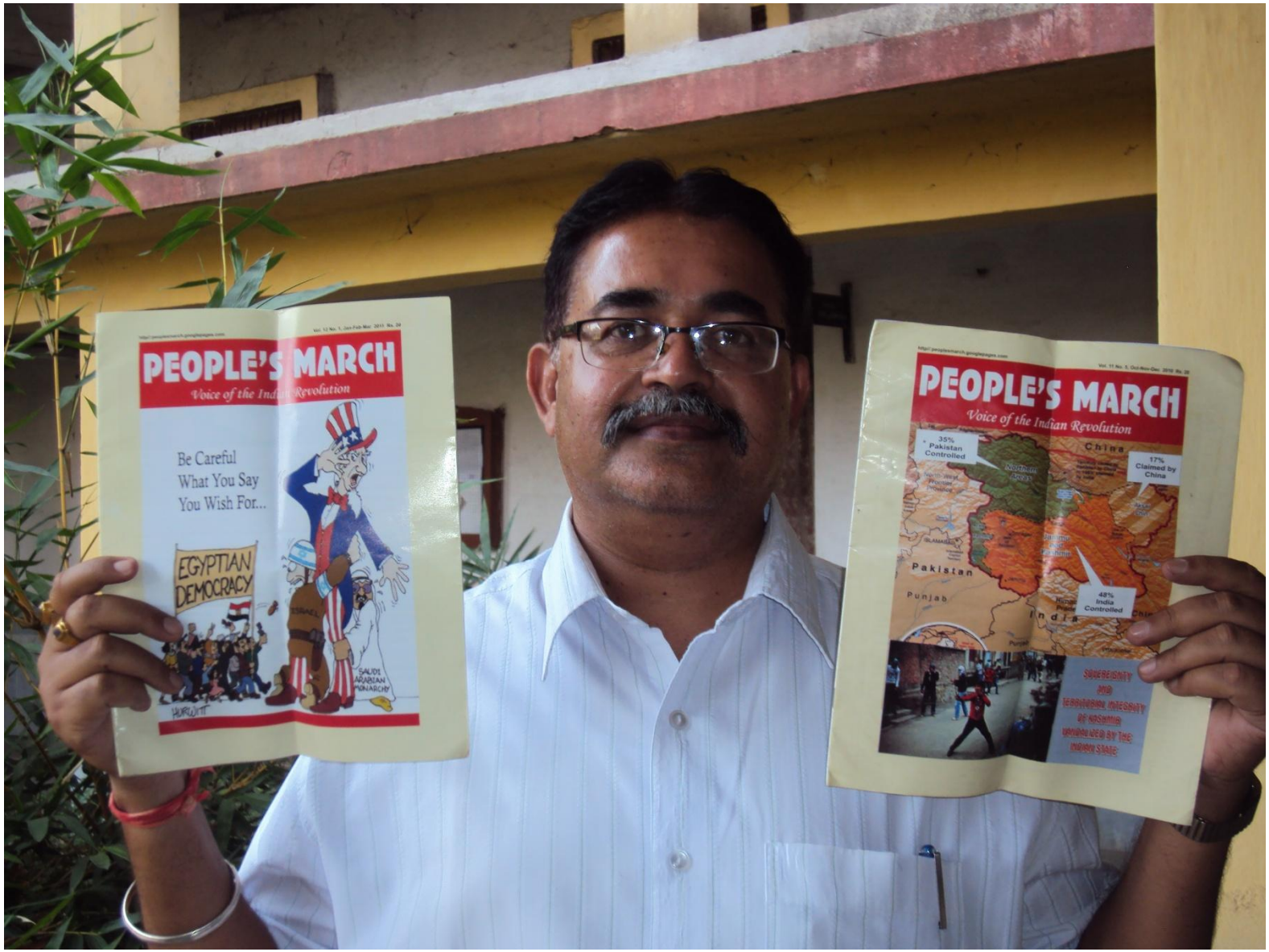

पीपुल्स मार्च पत्रिका

दण्डकारण्य विशेष जोन की पत्रिका

बस्तर परिक्षेत्र में सकिय नक्सली समूहों द्वारा डिविजन / जिला इकाई द्वारा भी कई पत्रिकाओं का प्रकाशन कराया जाता रहा है –

पत्रिका	–	प्रकाशक
• पितुरी	–	दक्षिण बस्तर डिवीजन
• मिदांगुर	–	पश्चिम बस्तर डिवीजन
• मोथील गुद्रम	–	दरभा डिवीजन
• पोदधु	–	उत्तर और दक्षिण गढ़चिरौली डिवीजन
• भूमकाल	–	उत्तर बस्तर और माड डिवीजन
• भूमकाल संदेश	–	पूर्वी बस्तर डिवीजन
• जनताना राज	–	जनताना सरकार

चेतना नाट्य मंच के कार्यकर्ता

एम्बुश
(Ambush)

नक्सली एम्बुश हेतु विभाजित नक्सली पार्टी

असाल्ट पार्टी

सीजिंग पार्टी

स्काट पार्टी

स्टाप पार्टी

रिजर्व पार्टी

अन्य

नक्सली एम्बुश

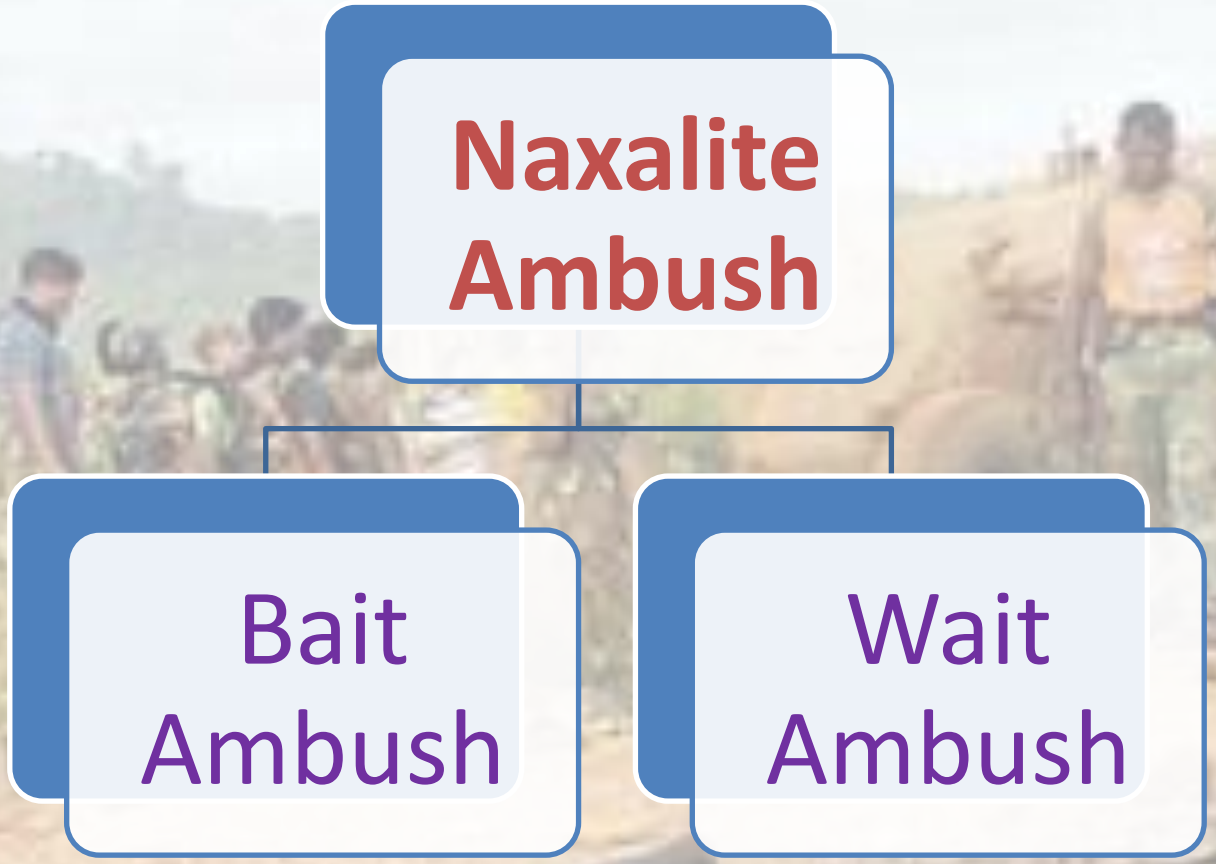

i. Most successful technique
ii. 90% ambush

Routine route of security forces

नक्सली एम्बुश

सुरक्षा बलों का एम्बुश

मौके का एम्बुश

तैयारी का एम्बुश

निकट एम्बुश

सुदूर एम्बुश

उत्पीड़न एम्बुश

विनाश एम्बुश

एम्बुश संरचनाऐं

लाइन संरचना का परेशान करने वाला एम्बुश

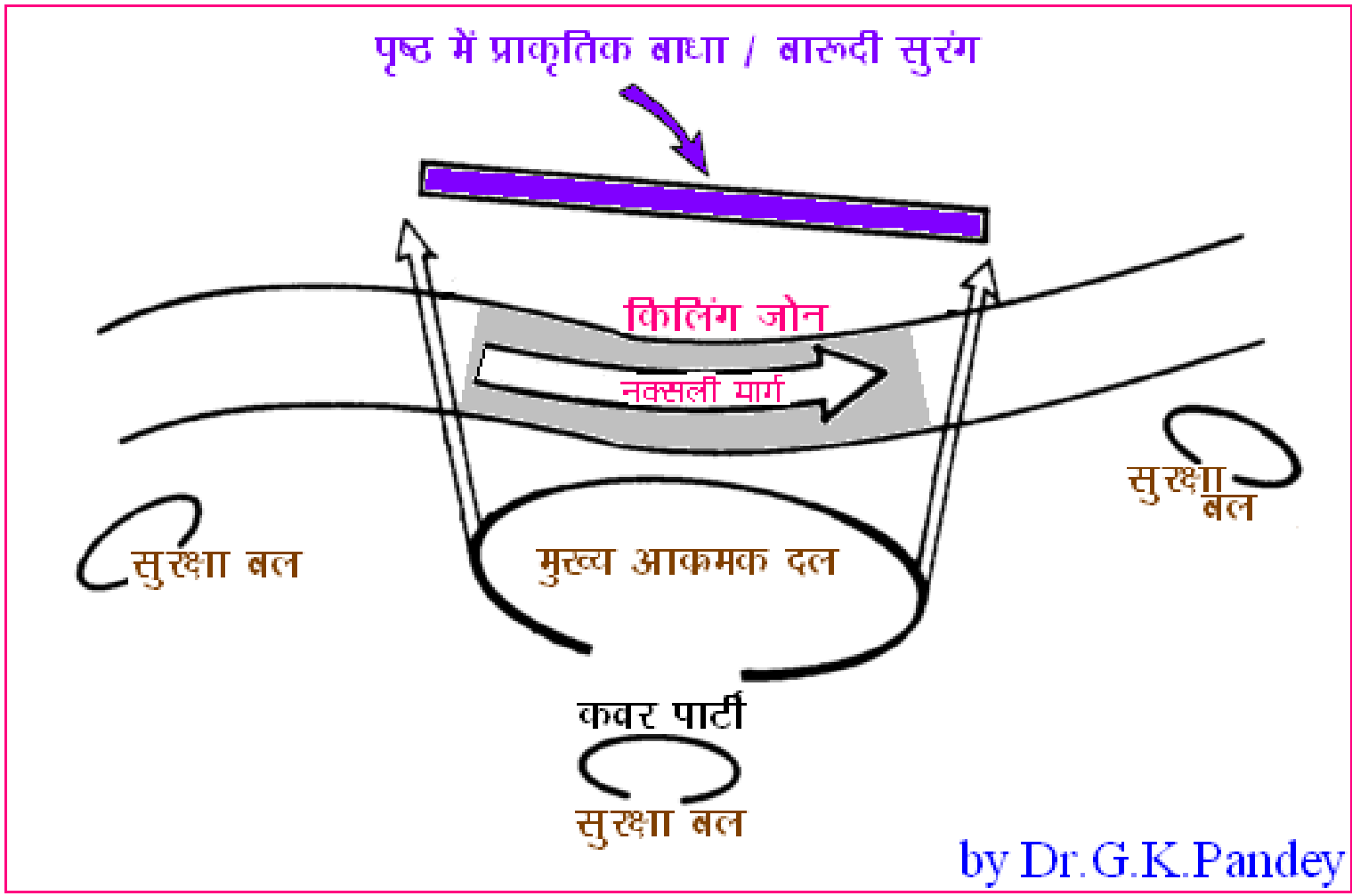

लाइन संरचना का ध्वस्त करने वाला एम्बुश

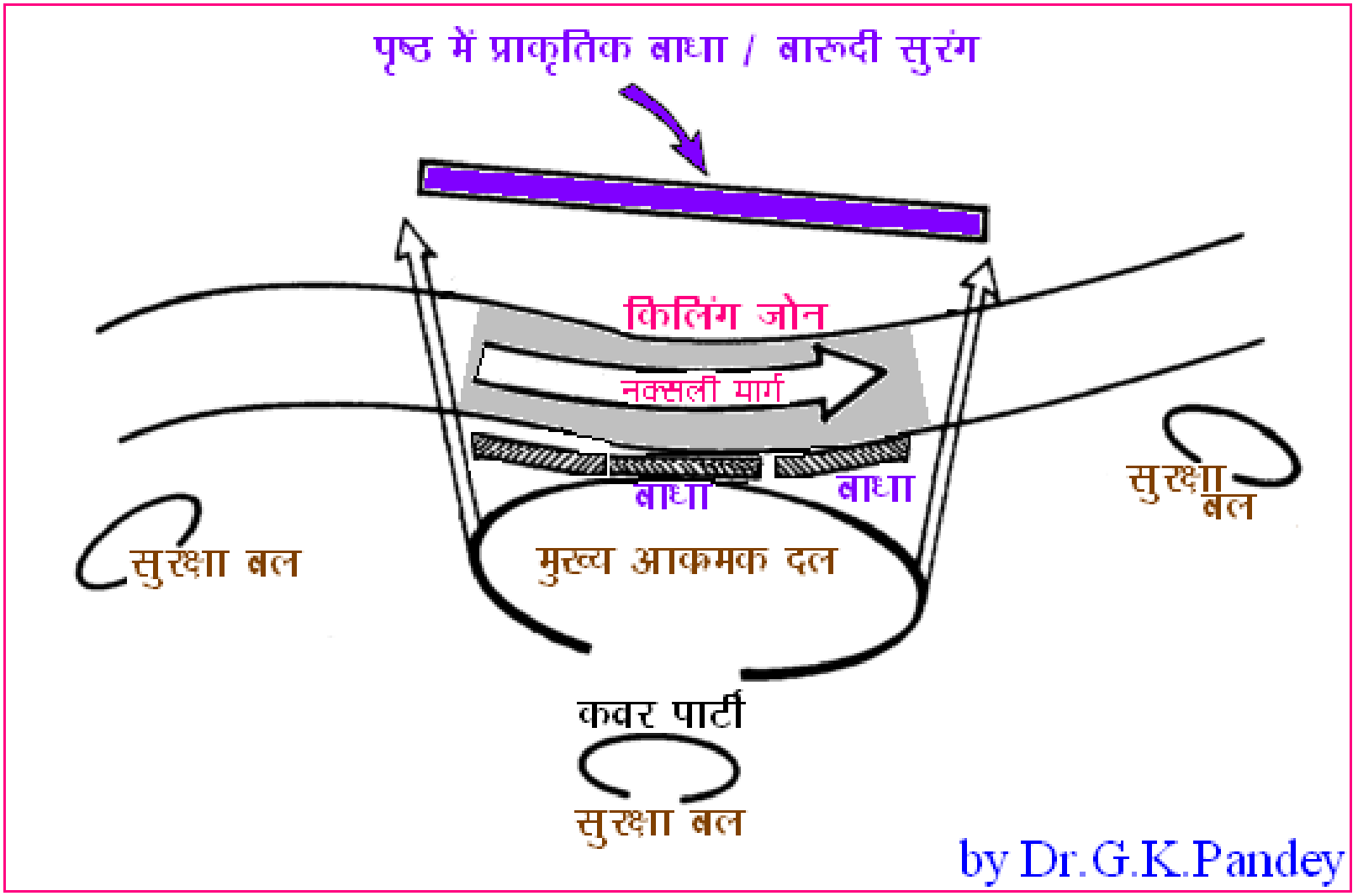

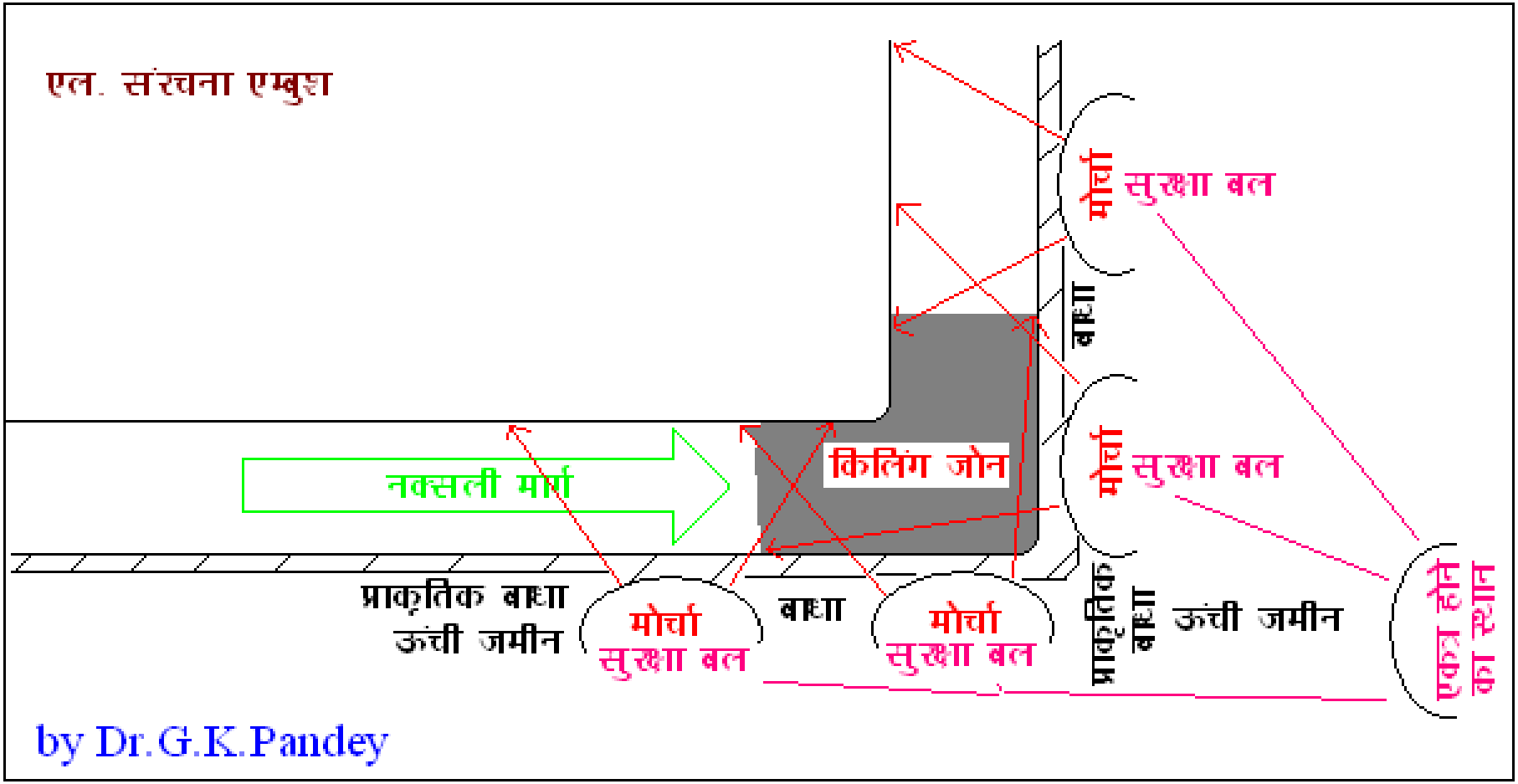
एल. संरचना एम्बुश
मोर्चा
सुरक्षा बल
बाधा
किलिंग जोन
नक्सली मार्ग
मोर्चा
सुरक्षा बल
प्राकृतिक बाधा
ऊंची जमीन
मोर्चा
सुरक्षा बल
बाधा
मोर्चा
सुरक्षा बल
प्राकृतिक
बाधा
ऊंची जमीन
एकत्र होने
का स्थान
by Dr.G.K.Pandey

एल. संरचना विनाशक एम्बुश

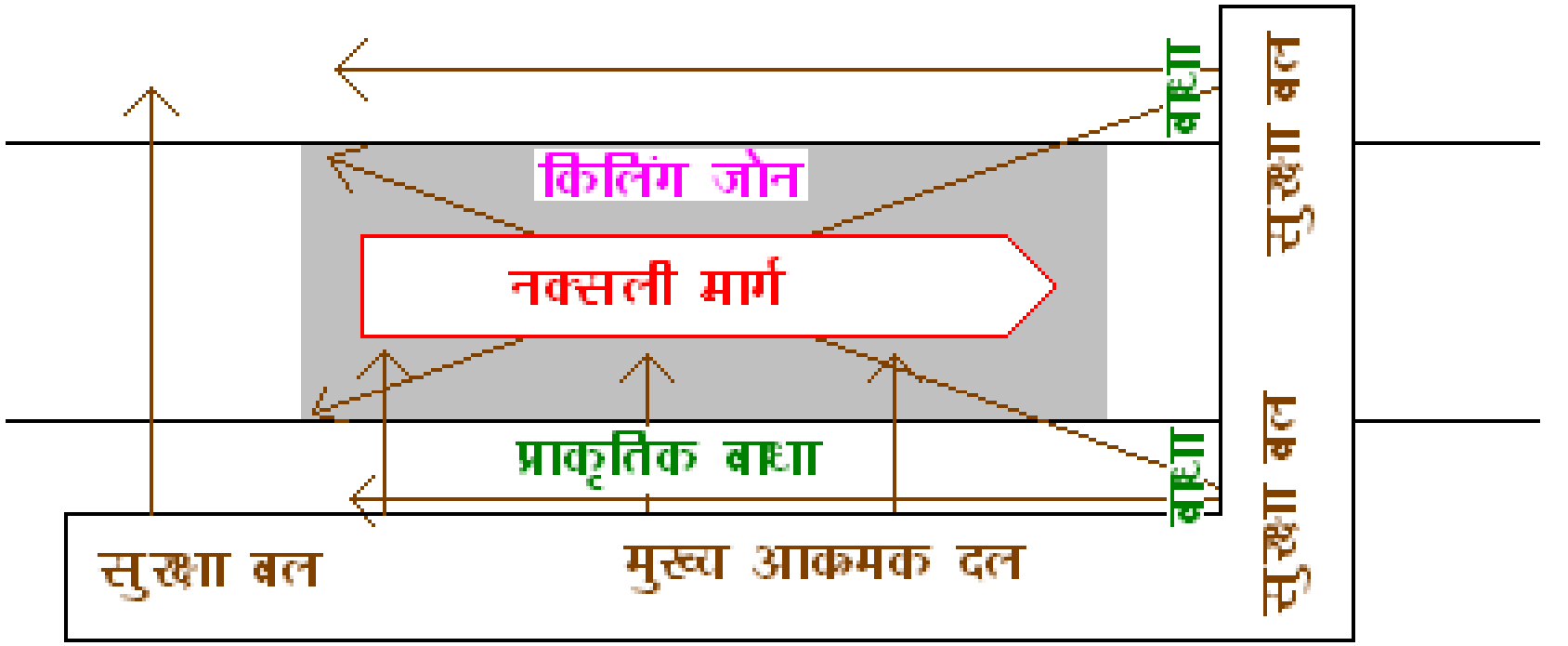

by Dr.G.K.Pandey

जेड संरचना एम्बुश

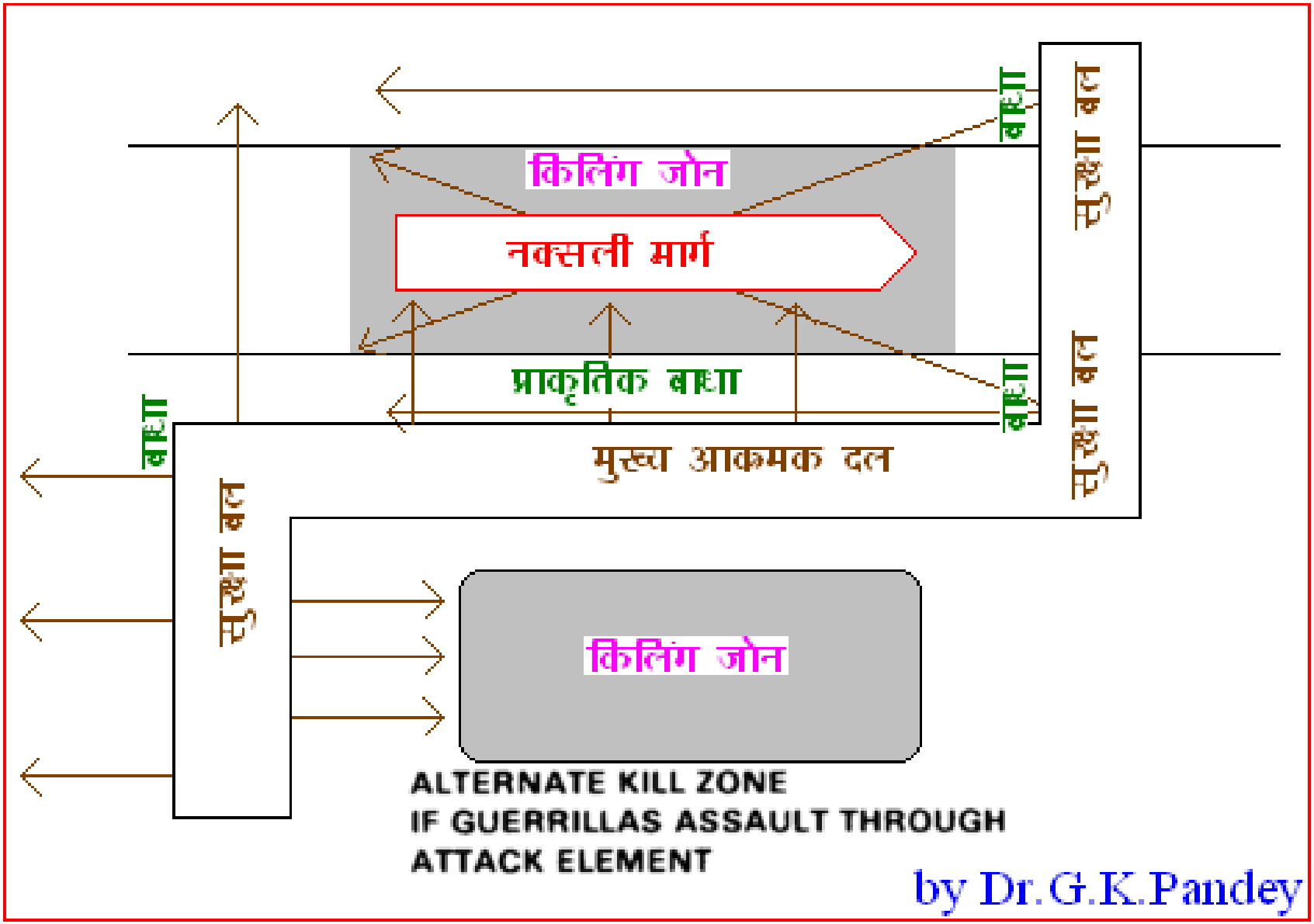

किलिंग जोन
नक्सली मार्ग
प्राकृतिक बाधा
बाधा
सुरक्षा बल
मुख्य आक्रमक दल
किलिंग जोन
ALTERNATE KILL ZONE
IF GUERRILLAS ASSAULT THROUGH
ATTACK ELEMENT
by Dr.G.K.Pandey

टी–संरचना एम्बुश

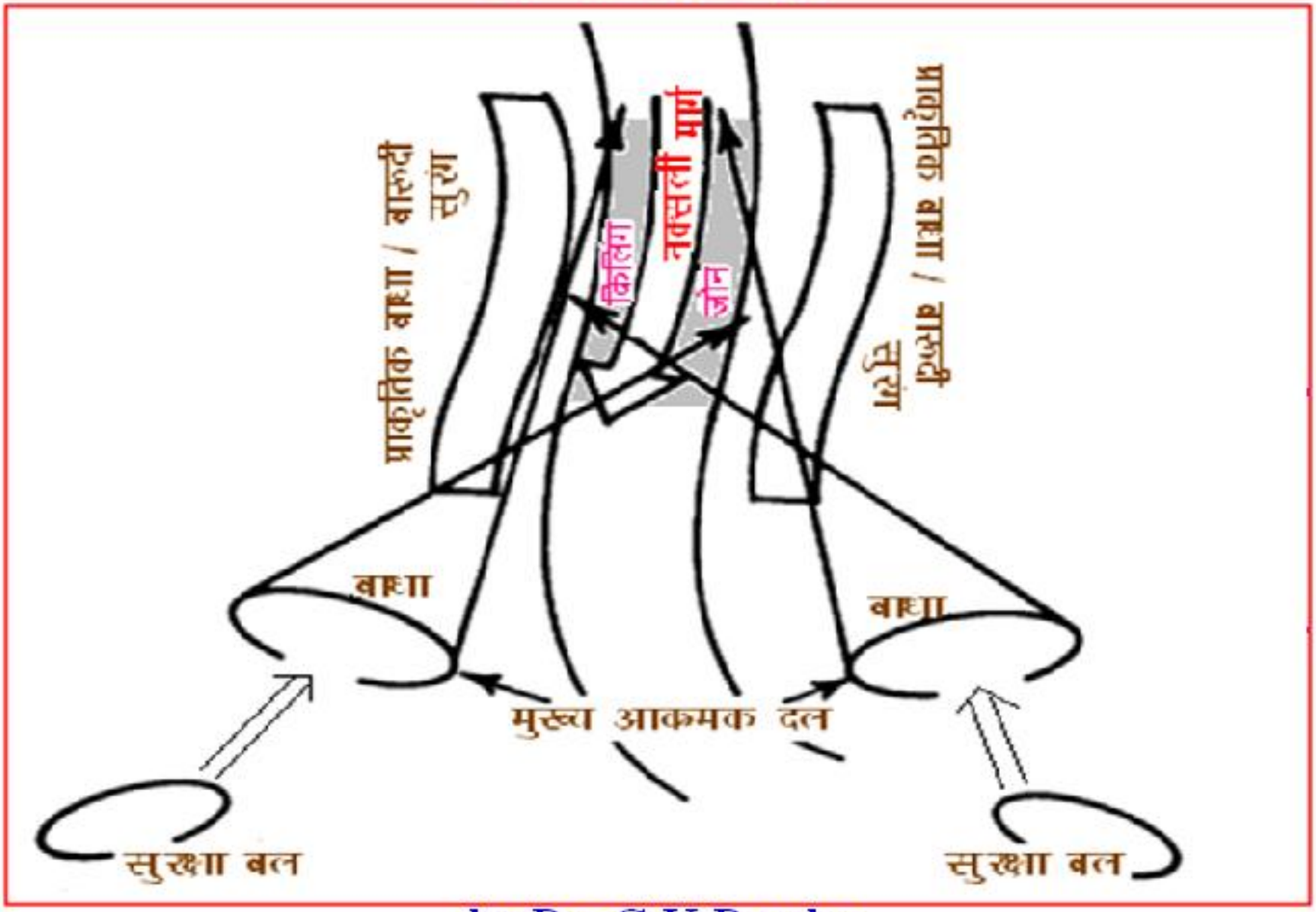

by Dr. G.K.Pandey

व्ही–संरचना एम्बुश

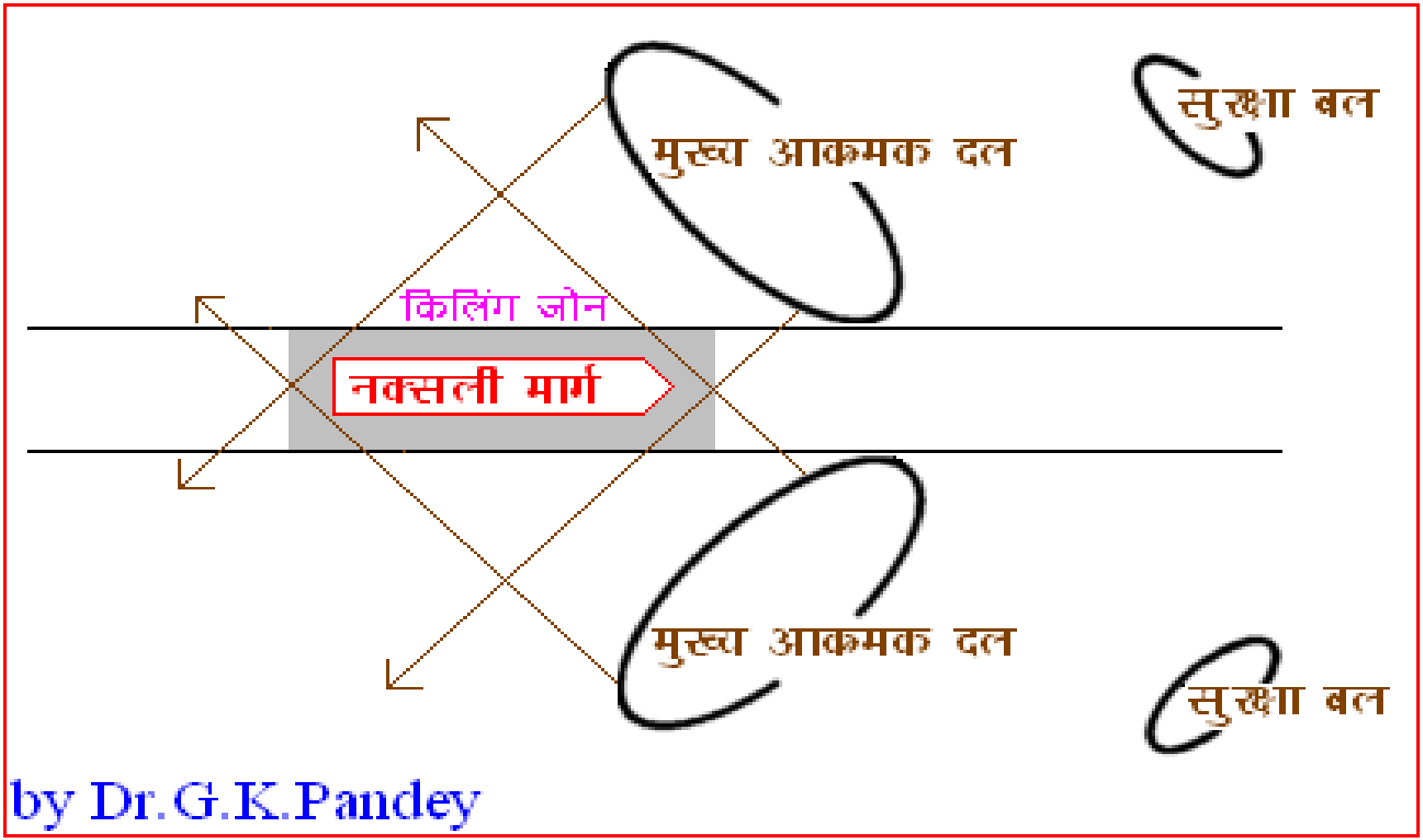

मुख्य आक्रमक दल
सुरक्षा बल
किलिंग जोन
नक्सली मार्ग
मुख्य आक्रमक दल
सुरक्षा बल
by Dr.G.K.Pandey

निकट त्रिकोण एम्बुश

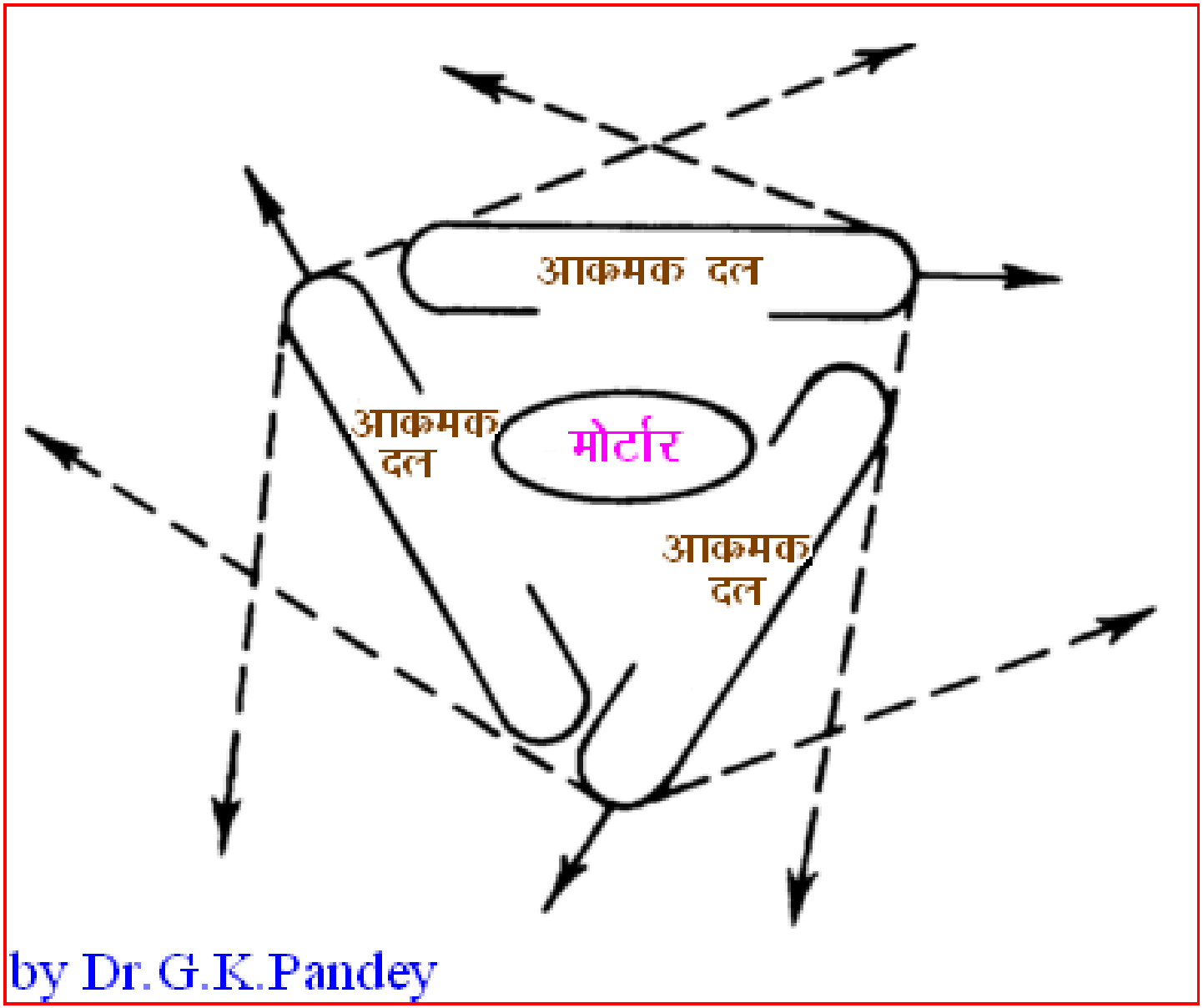

परेशान करने वाला खुला त्रिकोण एम्बुश

मोर्चा सुरक्षा बल नक्सली समूह	नक्सली समूह पर पहले दल द्वारा आक्रमण किया जाता है 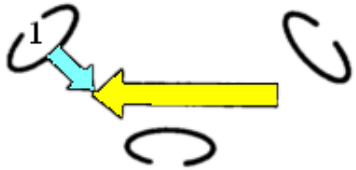
नक्सली द्वारा जवाबी कार्यवाही। पहले सुरक्षा दल पीछे । नक्सली समूह पर दूसरे दल द्वारा आक्रमण किया जाता है ।	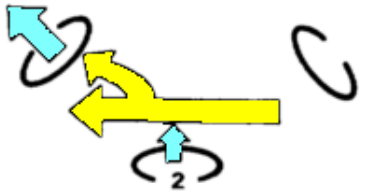
नक्सली कार्यवाही पर दूसरे सुरक्षा दल पीछे । नक्सली समूह पर तीसरे दल द्वारा आक्रमण किया जाता है ।	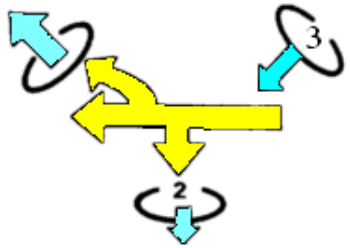
नक्सली कार्यवाही पर तीसरे सुरक्षा दल पीछे । नक्सली समूह द्वारा तीनों दलों पर आक्रमण किया जाता है ।	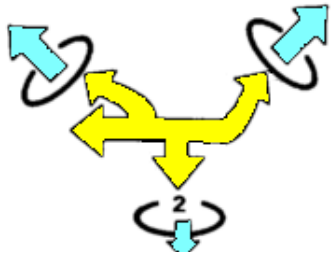
नक्सली समूह को तंग करने के बाद सुरक्षा बल का पीछे हटना ।	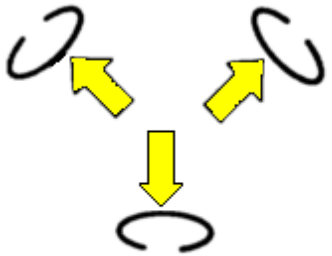

by Dr.G.K.Pandey

ध्वस्त करने वाला खुला त्रिकोण एम्बुश

मोर्चा

सुरक्षा बल

नक्सली समूह

नक्सली दस्ते का किलिंग जोन में प्रवेश

नक्सली समूह पर पहले दल द्वारा आक्रमण किया जाता है

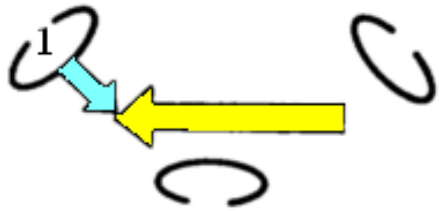

नक्सली समूह छुपेगा या भागेगा

नक्सली समूह पर दूसरे दल द्वारा आक्रमण किया जाता है ।

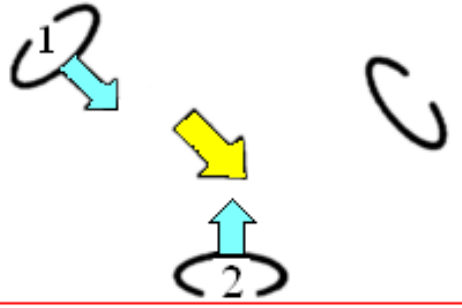

नक्सली समूह छुपेगा या भागेगा

नक्सली समूह पर तीसरे दल द्वारा आक्रमण किया जाता है ।

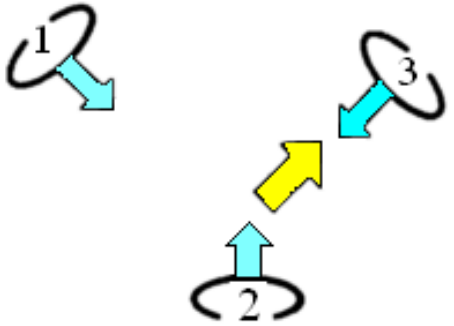

सुरक्षा बल का नक्सली समूह पर

ध्वस्त करने आक्रमण कार्यवाही

by Dr.G.K.Pandey

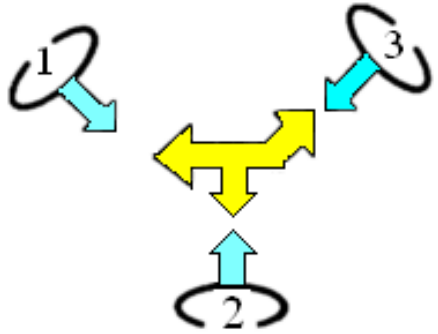

परेशान करने वाला बाक्स संरचना एम्बुश

मोर्चा सुरक्षा बल नक्सली	नक्सली समूह पर पहले दल द्वारा आक्रमण किया जाता है
नक्सली द्वारा जवाबी कार्यवाही। पहले सुरक्षा दल पीछे । नक्सली समूह पर दूसरे दल द्वारा आक्रमण किया जाता है ।	
नक्सली कार्यवाही पर दूसरे सुरक्षा दल पीछे । नक्सली समूह पर तीसरे दल द्वारा आक्रमण किया जाता है ।	
नक्सली कार्यवाही पर तीसरे सुरक्षा दल पीछे । नक्सली समूह पर चौथा दल द्वारा आक्रमण किया जाता है ।	
नक्सली समूह को तंग करने के बाद सुरक्षा बल का पीछे हटना । by Dr.G.K.Pandey	

ध्वस्त करने वाला बाक्स संरचना एम्बुश

मोर्चा सुरक्षा बल नक्सली	सुरक्षा बल 200-300 मीटर के दायरे में	किलिंग जोन
नक्सली दस्ते का किलिंग जोन में प्रवेश	नक्सली समूह पर पहले दल द्वारा आक्रमण किया जाता है	1
नक्सली समूह छुपेगा या भागेगा	नक्सली समूह पर दूसरे दल द्वारा आक्रमण किया जाता है	2
नक्सली समूह छुपेगा या भागेगा	नक्सली समूह पर तीसरे दल और चौथे दल द्वारा आक्रमण किया जाता है।	3 4
सुरक्षा बल का नक्सली समूह पर ध्वस्त करने आक्रमण कार्यवाही		

by Dr.G.K.Pandey

तत्काल एम्बुश कार्यवाही (Immediate Ambush Actions)

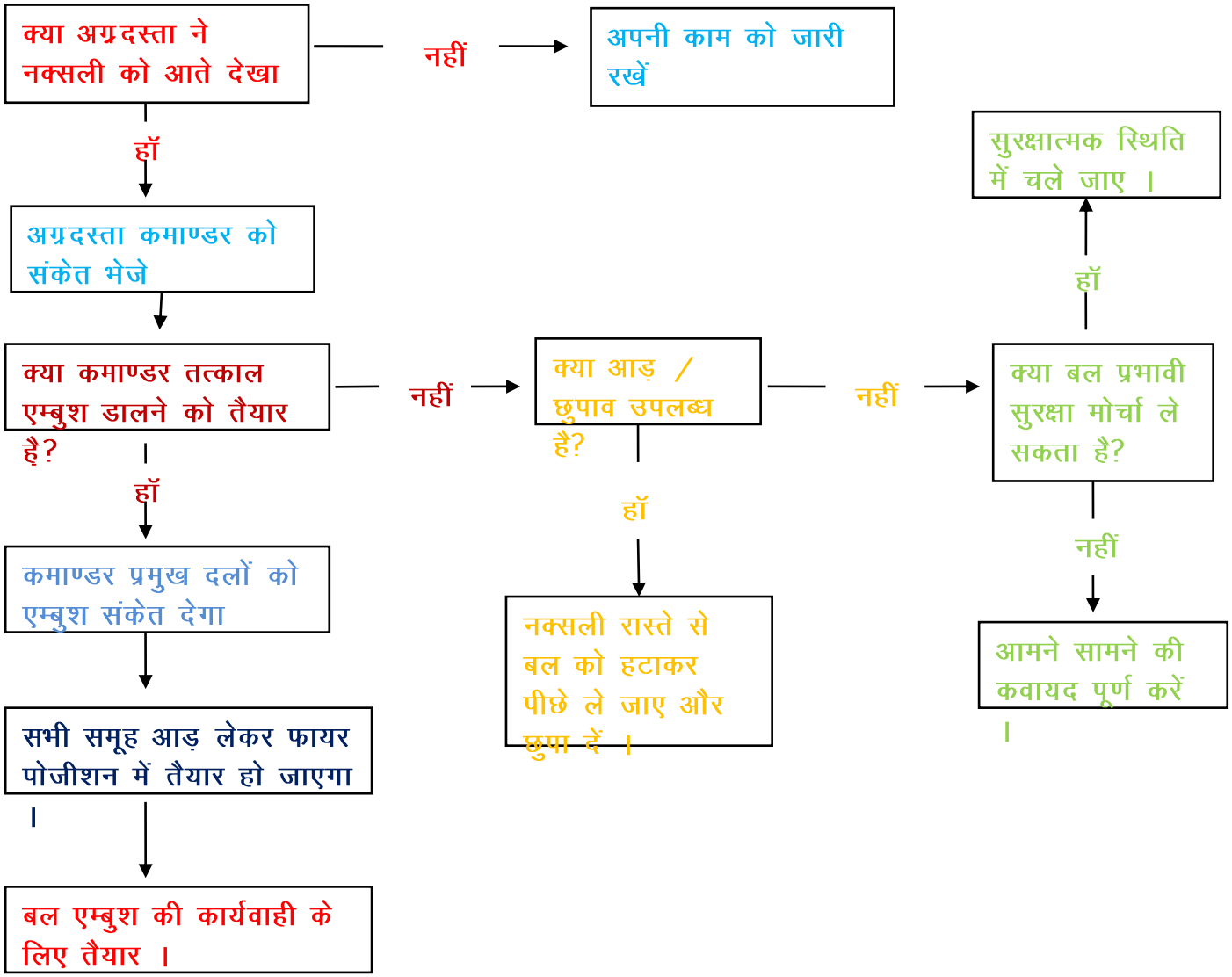

बारूदी सुरंग
(Mines)

विस्फोटक

बारूद

अमोनियम नाइट्रेट

गुणधर्म और कार्य प्रणाली

विस्फोट करने की यांत्रिकी

विस्फोट अथवा ज्वलन उत्पन्न करने वाला

बूस्टर

खोल

नक्सली द्वारा बारूदी सुरंग उपयोग करने का उद्देश्य

- सुरक्षा बलों को मारना, घायल करना, परेशान करना, डर पैदा करना ।
- सुरक्षा बलों की गतिविधि को रोकना / कम करना, बलों को जंगल में प्रवेश से रोकना ।
- आश्रय स्थल, शिविर, प्रशिक्षण क्षेत्र, बैठक क्षेत्र आदि की सुरक्षा करना ।
- आम जनता की गतिविधि को नियंत्रित करना ।
- नक्सलियों का मनोबल बढ़ाना ।
- आमने–सामने की लड़ाई में बढ़त पैदा करना । आदि

बारूदी सुरंग बिछाना (Laying Mines)

वाहनरोधी बारूदी सुरंग लगाने के रूप

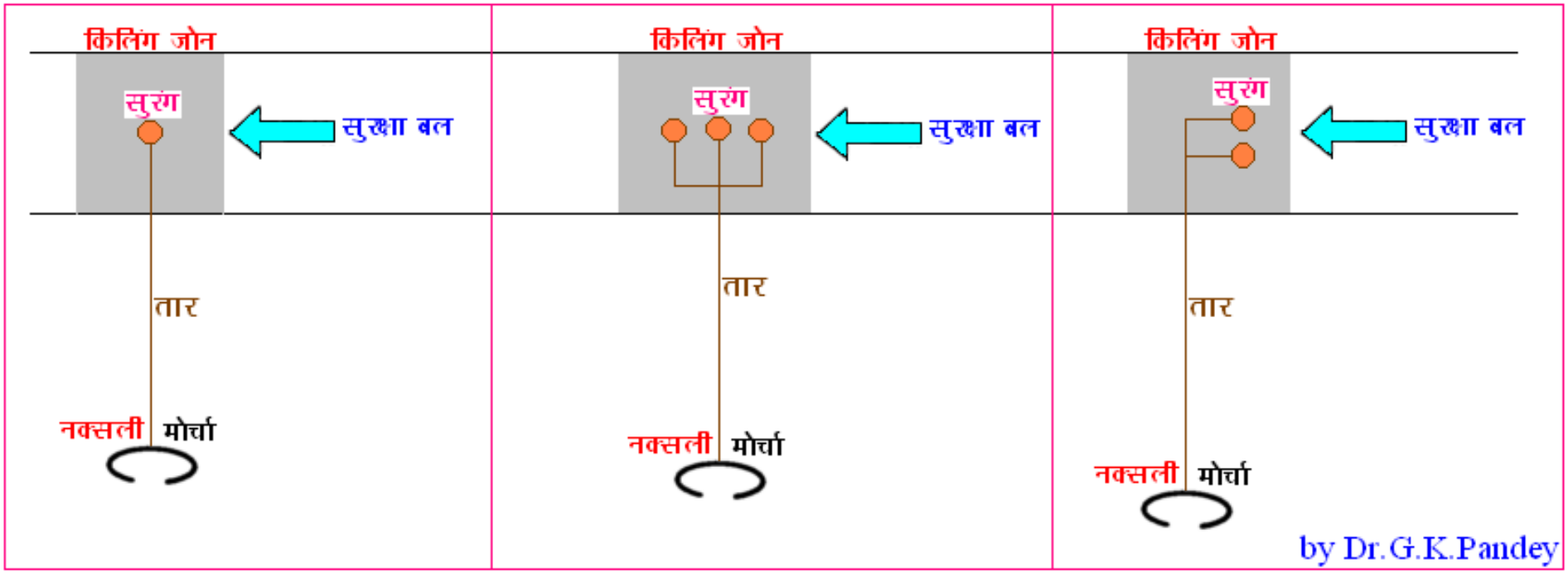

बारूदी सुरंग लगाने के रूप

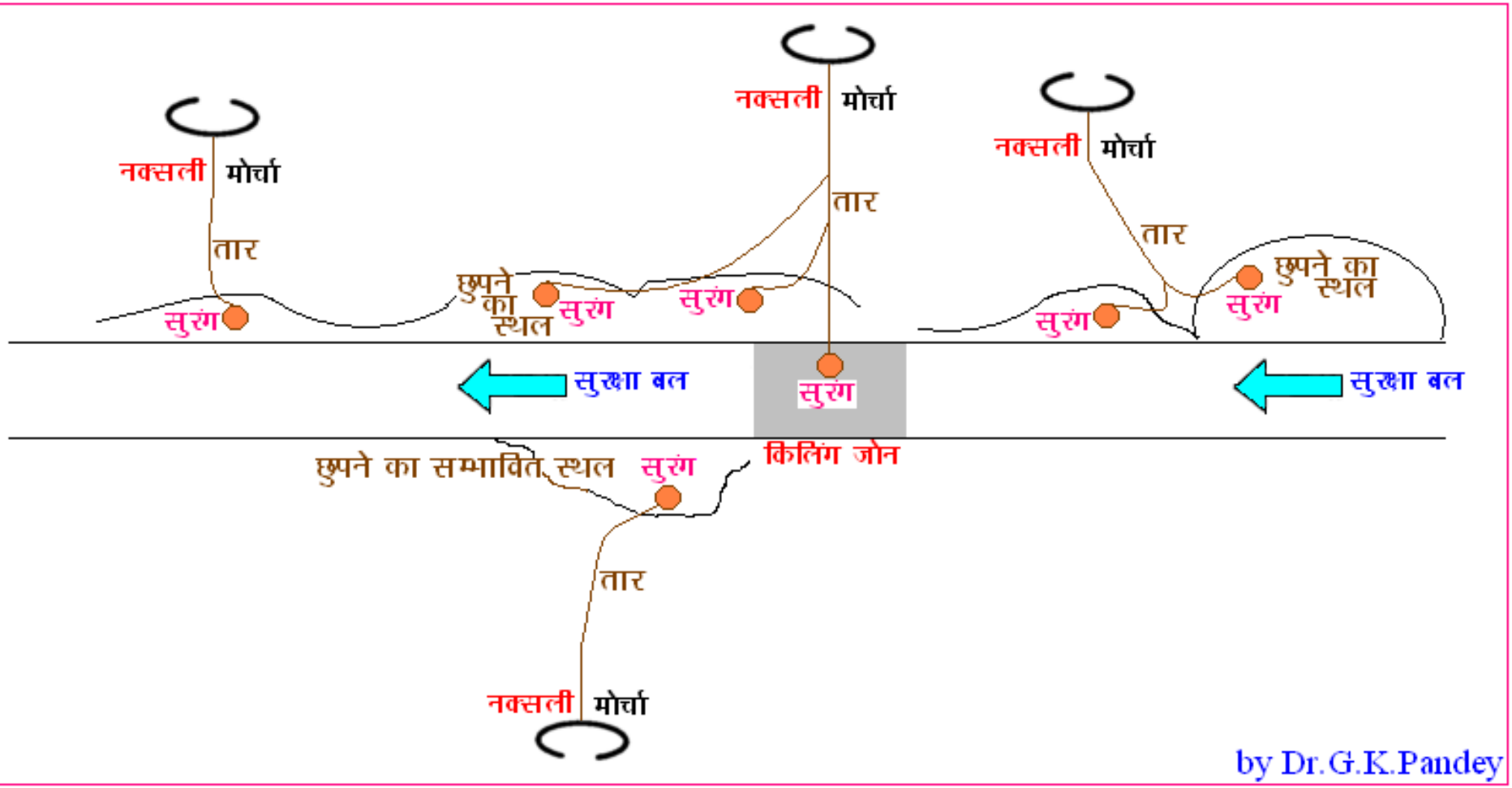

गश्त (Patrols)

गश्ती दल का सामान्य उद्देश्य और काय निम्न है –

- नक्सलियों की गतिविधियों को कम करना, रोकना या खत्म करना ।
- जनता में विश्वास पैदा करना ।
- कानून और व्यवस्था बनाए रखना ।
- क्षेत्र की चौकसी करना ।
- नक्सली और उसके समर्थकों के बारे में सूचना प्राप्त करना ।
- नक्सलियों द्वारा लगाए गए बाधाओं को हटाना ।
- हाट बाजारों की रक्षा करना ।
- मार्गों को खुला रखना ।
- नक्सलियों के ठिकानो को पता करना और उसे नष्ट करना । आदि

गतिविधि (Movement)

गश्ती गतिविधि

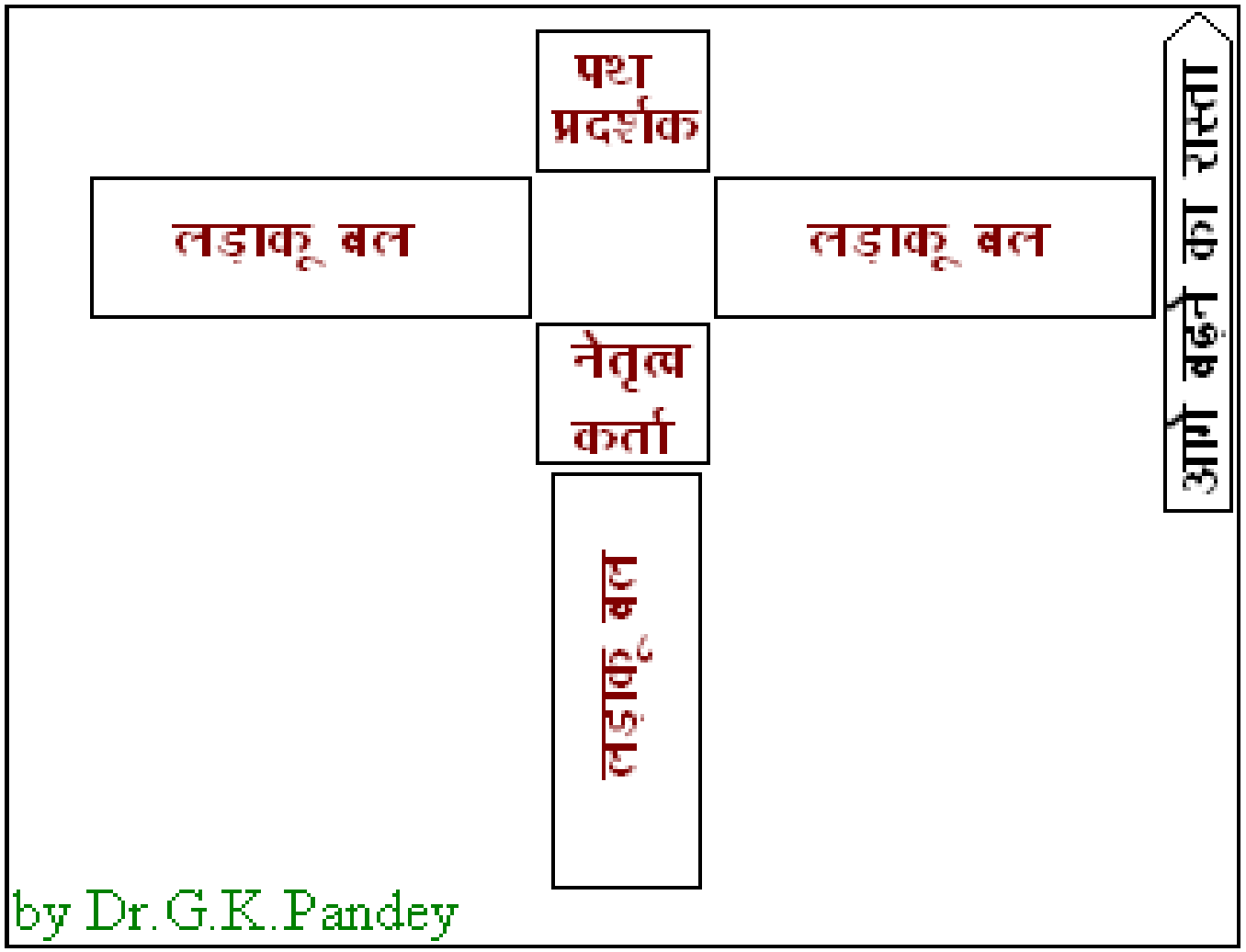

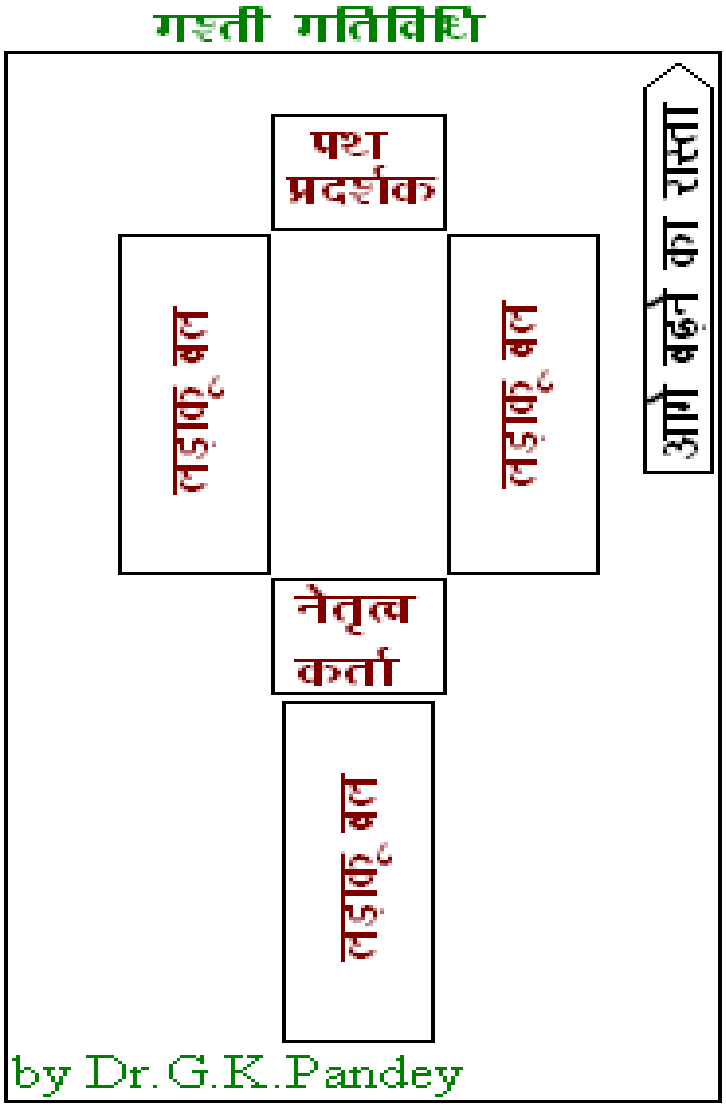

गश्ती गतिविधि

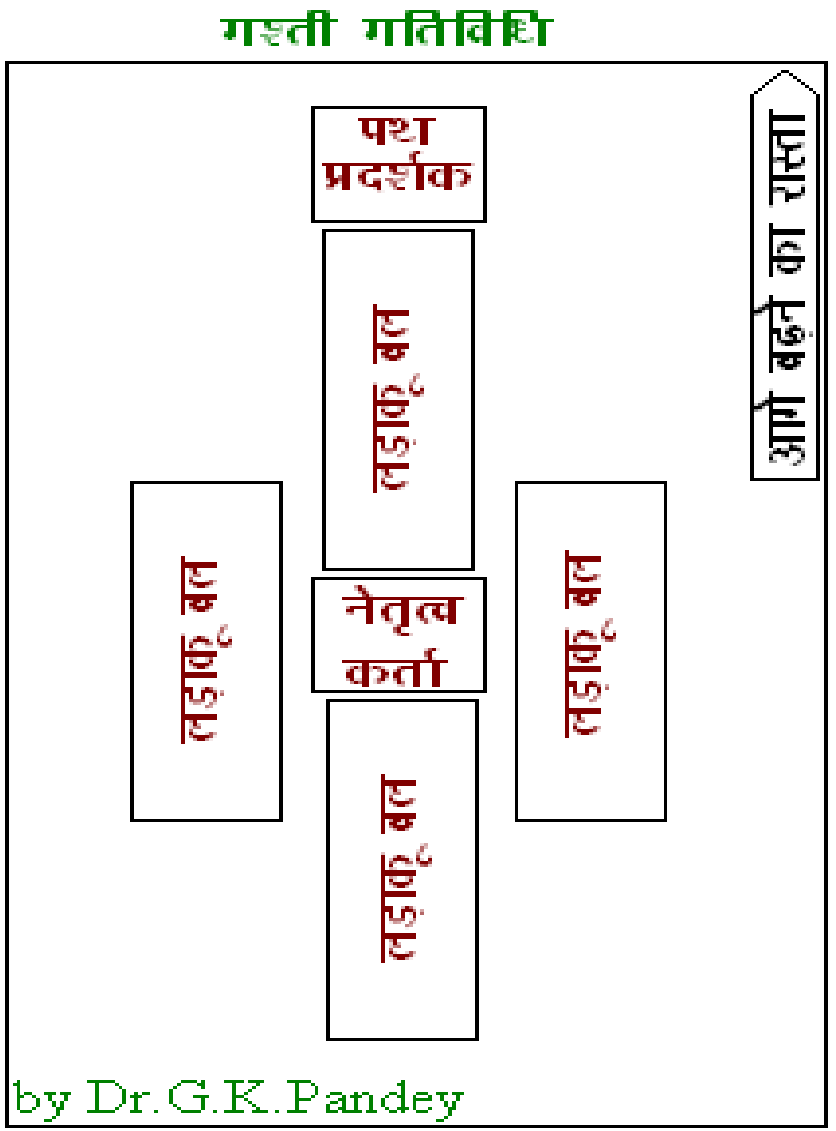

गश्ती गतिविधि

गश्त की प्रकार (Types of Patrol)

- नियमित गश्त
- अनियमित गश्त
  - क्षेत्र चौकसी गश्त
  - यौद्धिक गश्त
  - वाहन से गश्त
  - मार्ग खोलने वाली गश्त
  - सुरक्षात्मक गश्त

गश्त की विधियां (Methods of Patrol)

- पंखा विधि
- आधार रेखा विधि
- जलधारा विधि
- क्षेत्र विधि

क्षेत्र चौकसी गश्त

मार्ग खोलने वाली गश्त

पंखा विधि गश्त

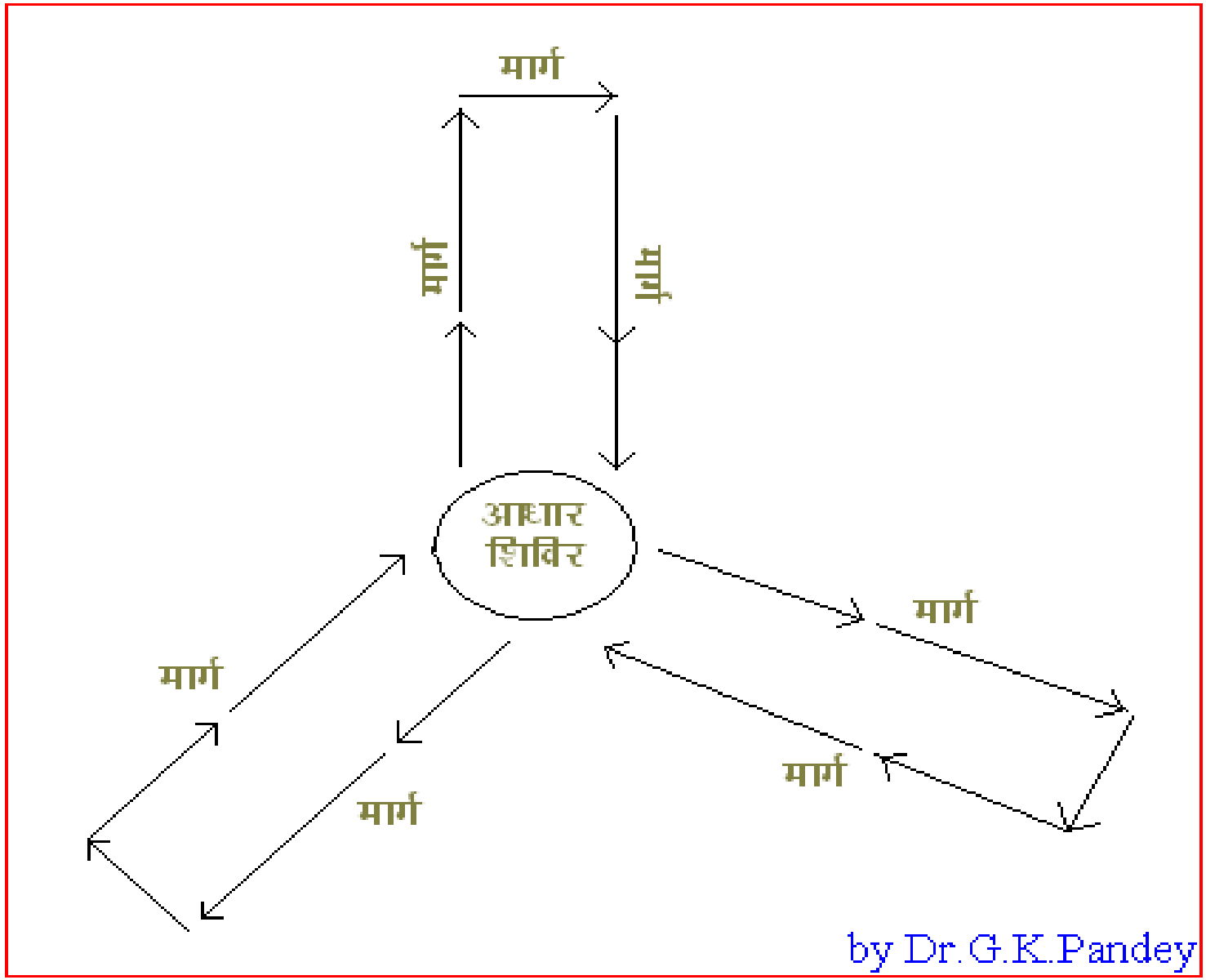

आधार रेखा गश्त

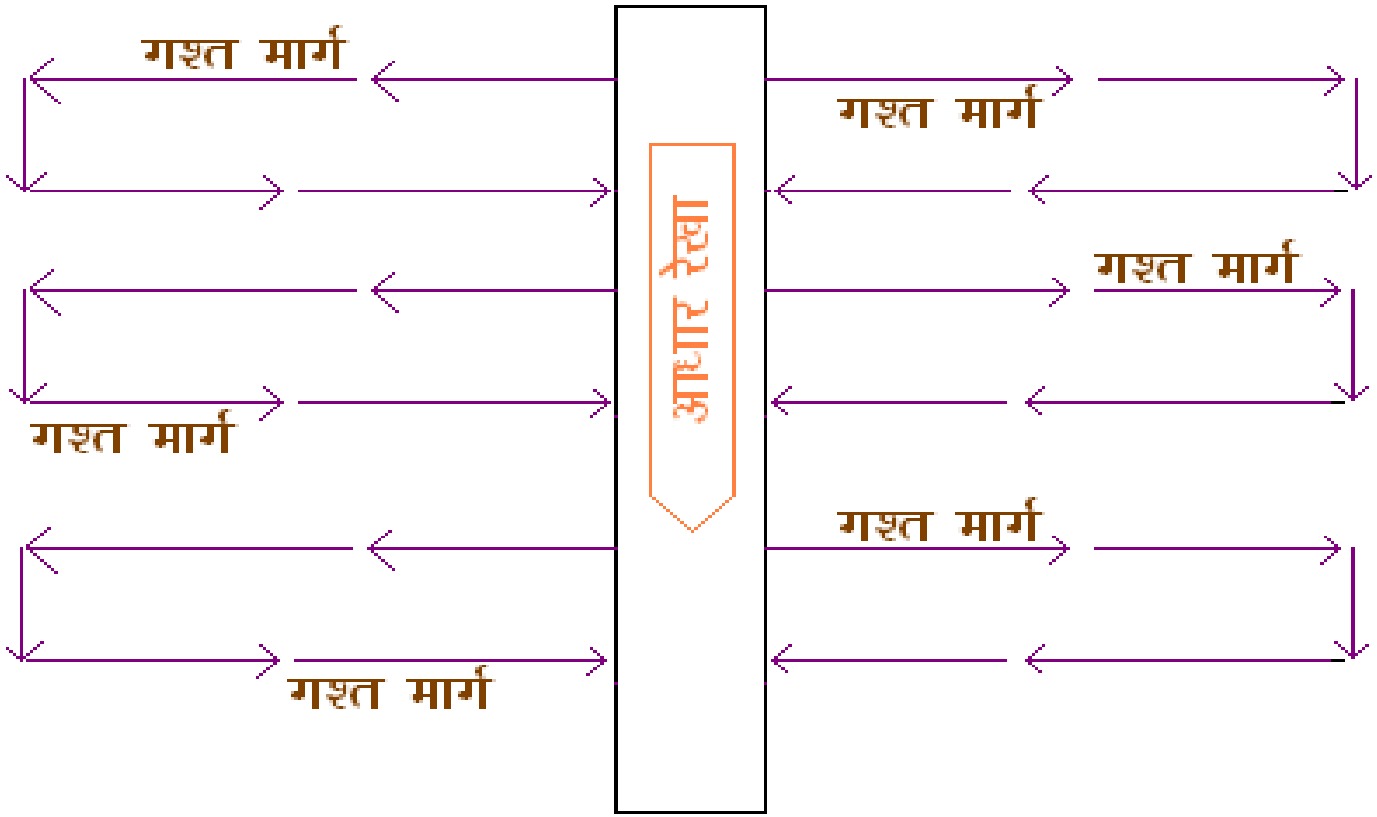

by Dr.G.K.Pandey

जलधारा विधि गश्त

छाया संगठन

माओवादी का तीन आधार

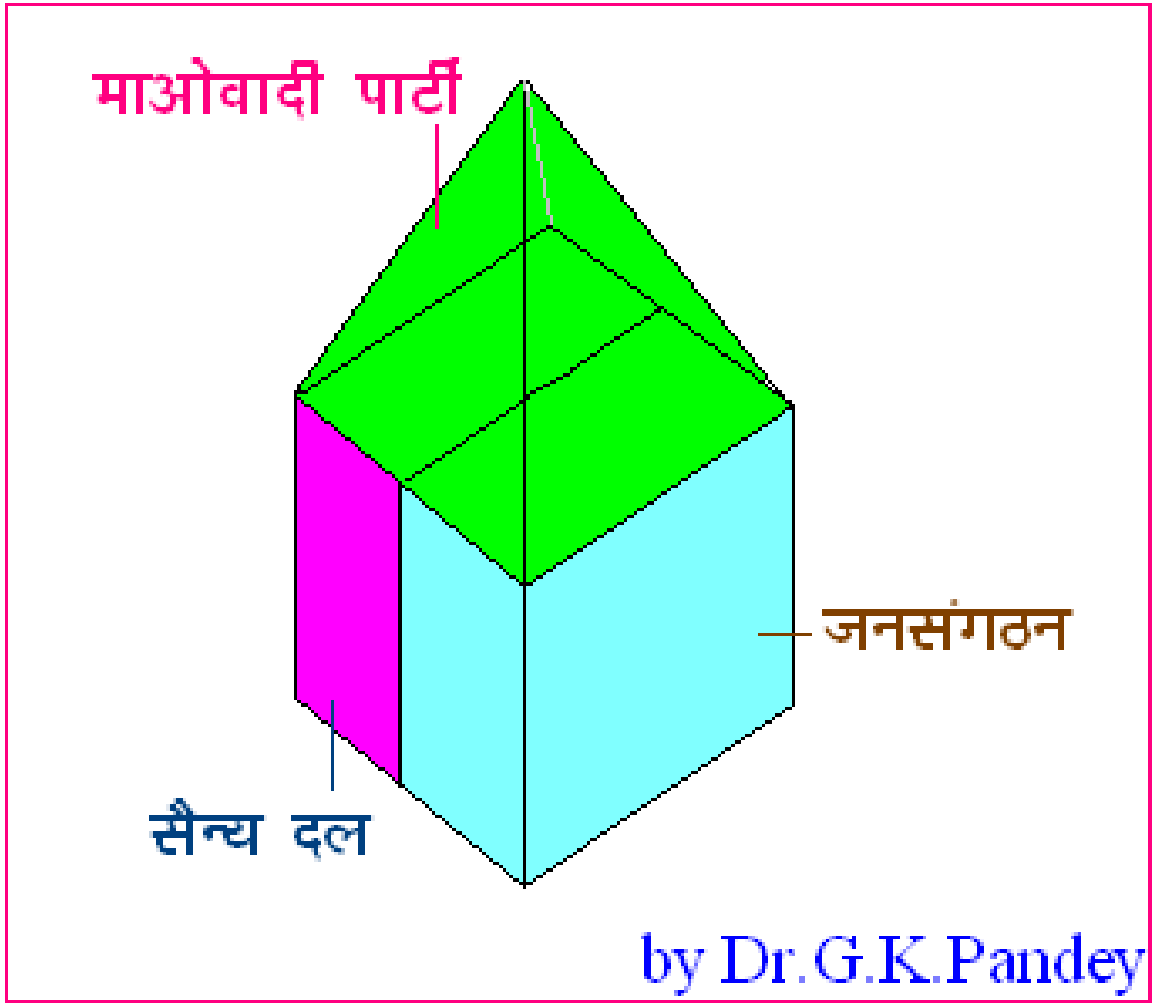

तीन जादुई हथियार

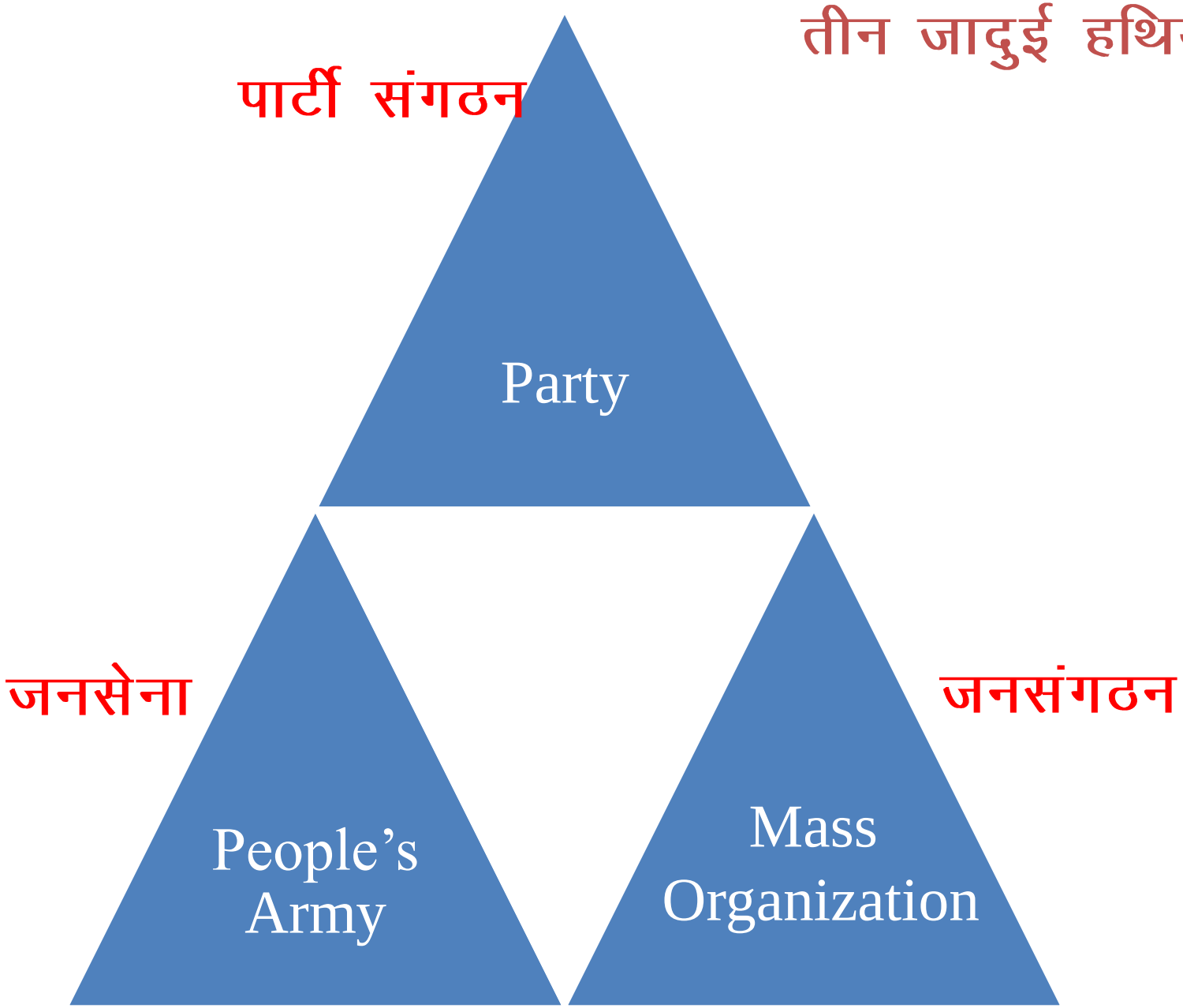

जनसंगठन

दण्डकारण्य आदिवासी किसान मजदूर संघ

क्रांतिकारी आदिवासी महिला संगठन

आदिवासी क्रांतिकारी छात्र संघ

क्रांतिकारी आदिवासी बालक संघ

चेतना नाट्य मंच

ग्राम पार्टी कमेटी

ग्राम रक्षा दल

ग्राम स्तरीय जनसंगठन

पंचायत रक्षा दल

क्रांतिकारी पंचायत कमेटी

पी.व्ही.सी.

आर.पी.सी.

क्रांतिकारी आदिवासी महिला संगठन

क्रांतिकारी आदिवासी महिला संगठन

क्रान्तिकारी आदिवासी महिला संगठन

(केएएमएस)

घोषणा–पत्र और संविधान

1996

Naxal Challenges

समाधान

(Three Dimensional Formula / 3D Formula)

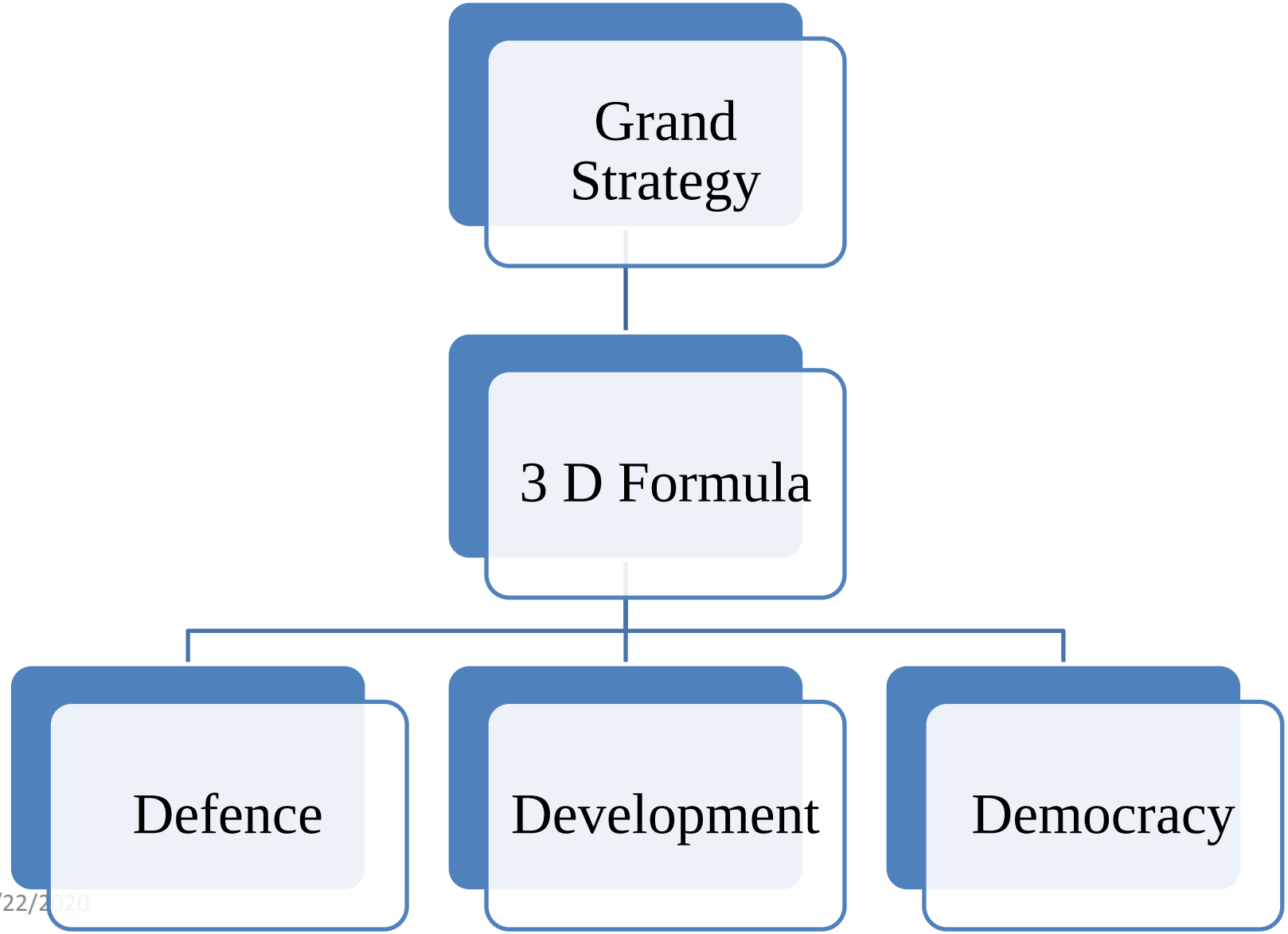

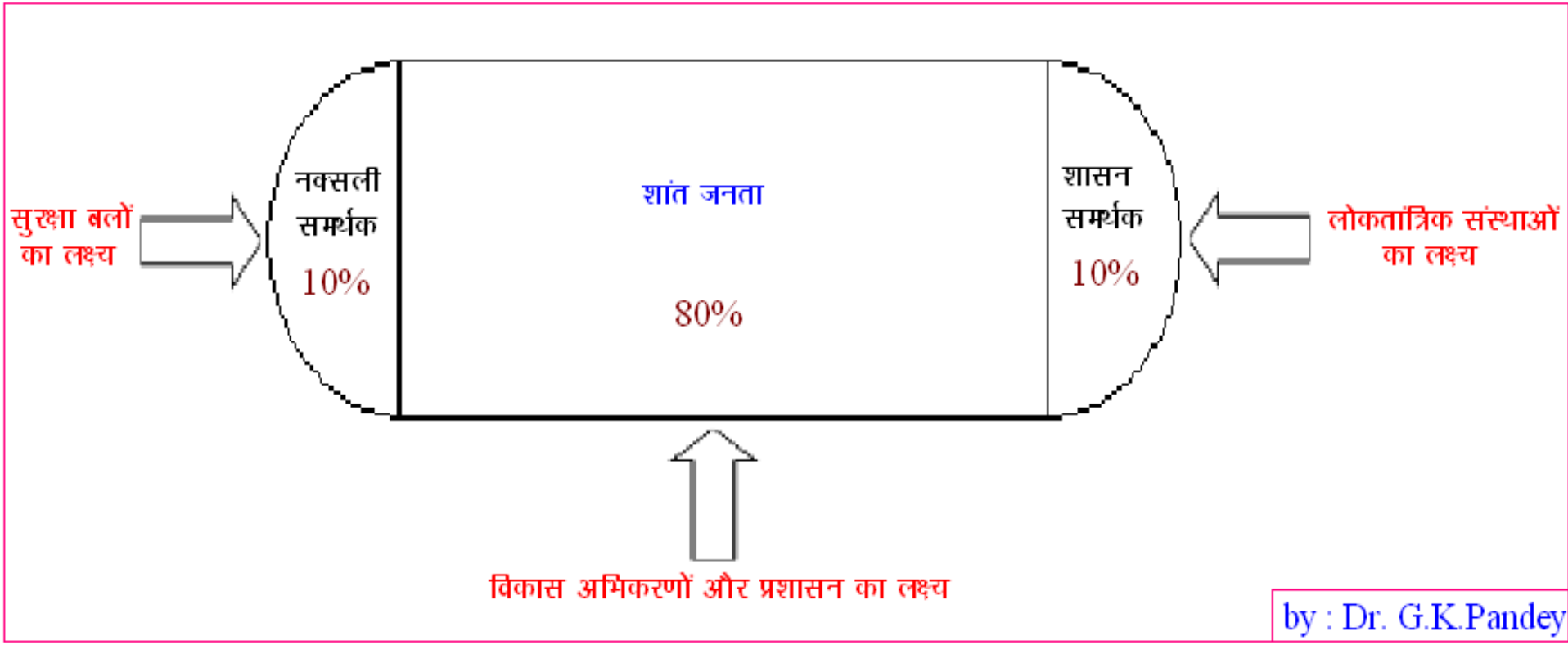
सुरक्षा बलों का लक्ष्य
नक्सली समर्थक
10%
शांत जनता
80%
शासन समर्थक
10%
लोकतांत्रिक संस्थाओं का लक्ष्य
विकास अभिकरणों और प्रशासन का लक्ष्य
by : Dr. G.K.Pandey

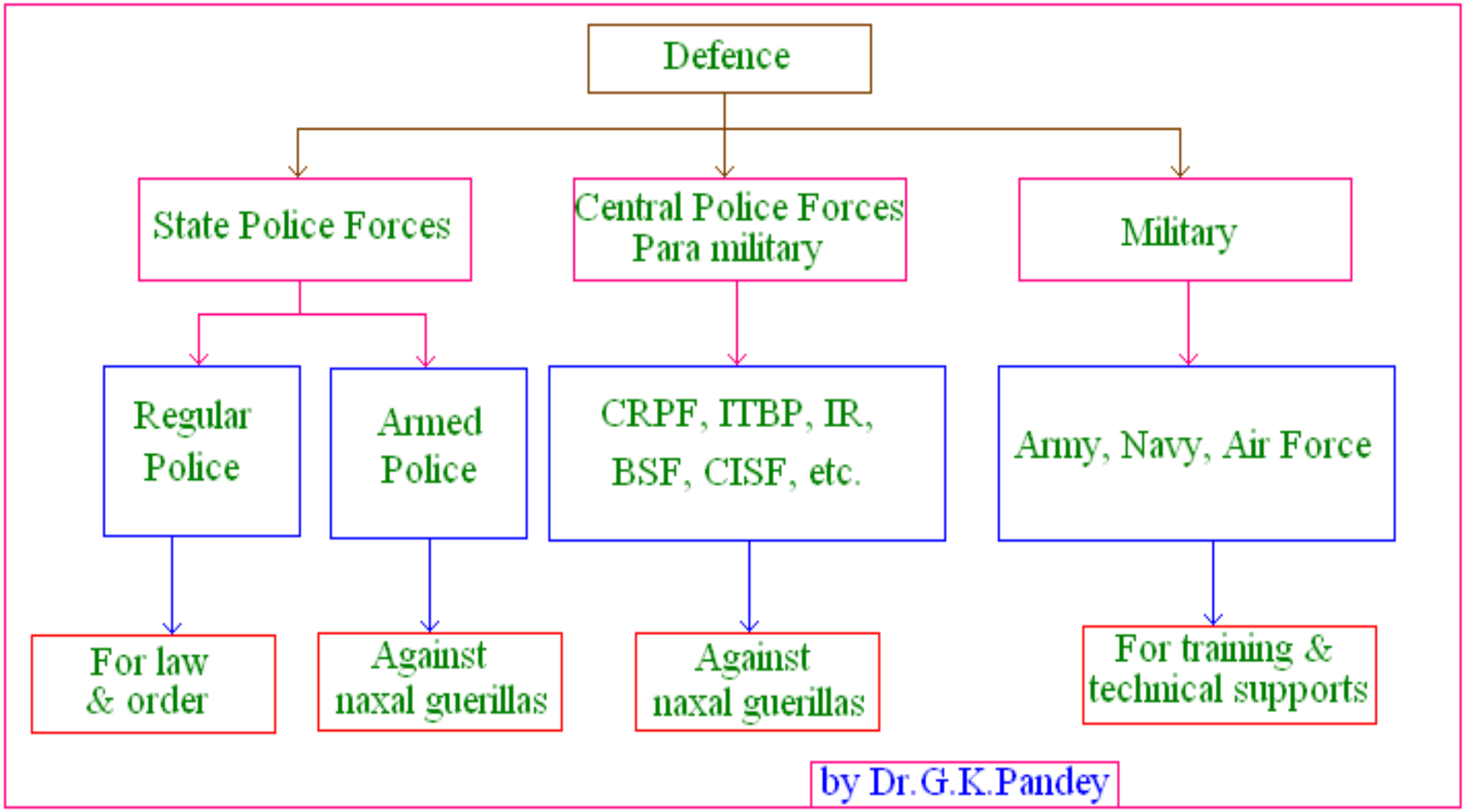
Defence
State Police Forces
Central Police Forces
Para military
Military
Regular
Police
Armed
Police
CRPF, ITBP, IR,
BSF, CISF, etc.
Army, Navy, Air Force
For law
& order
Against
naxal guerillas
Against
naxal guerillas
For training &
technical supports
by Dr.G.K.Pandey

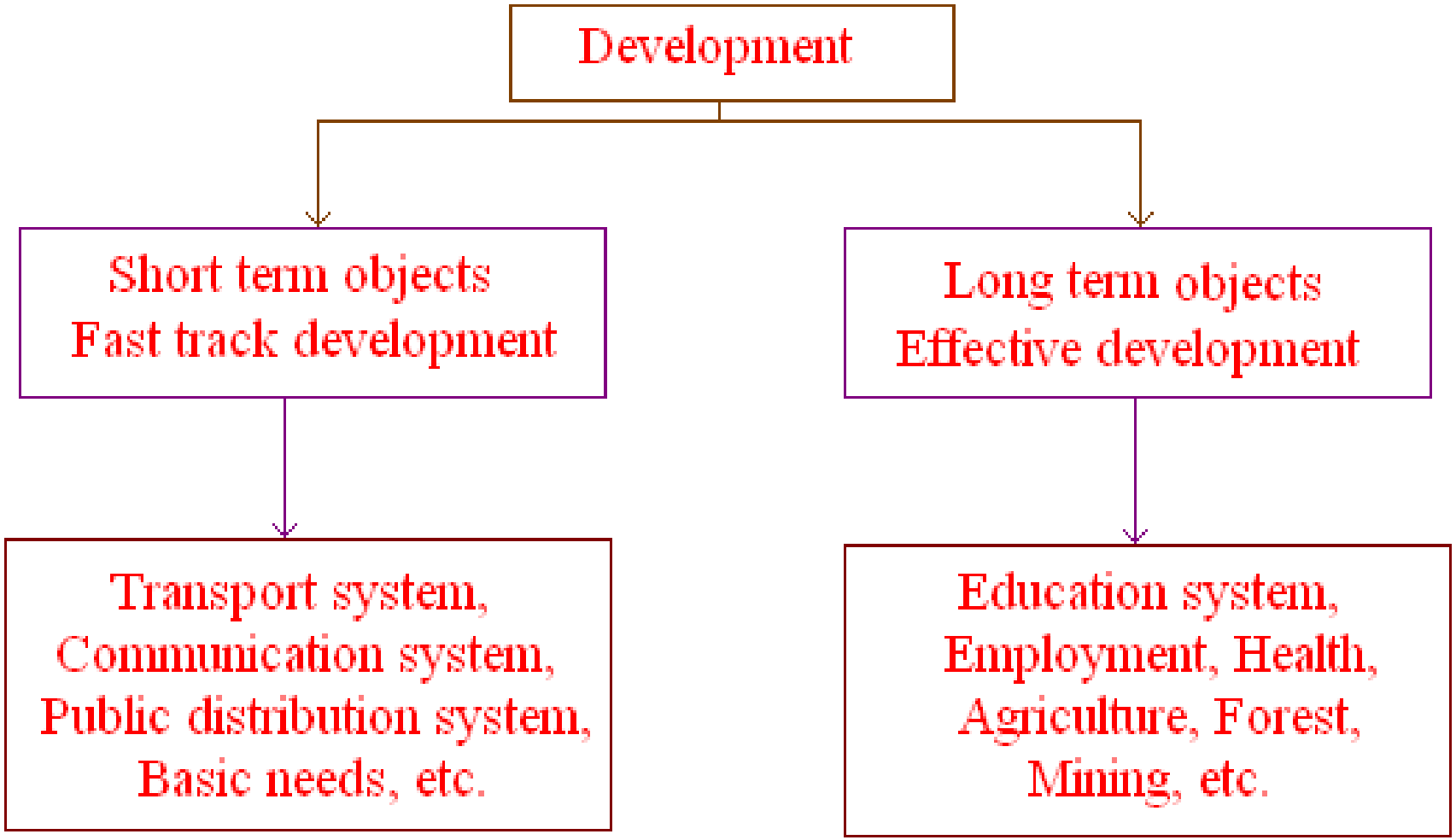
Development
Short term objects
Fast track development
Long term objects
Effective development
Transport system,
Communication system,
Public distribution system,
Basic needs, etc.
Education system,
Employment, Health,
Agriculture, Forest,
Mining, etc.
by Dr.G.K.Pandey

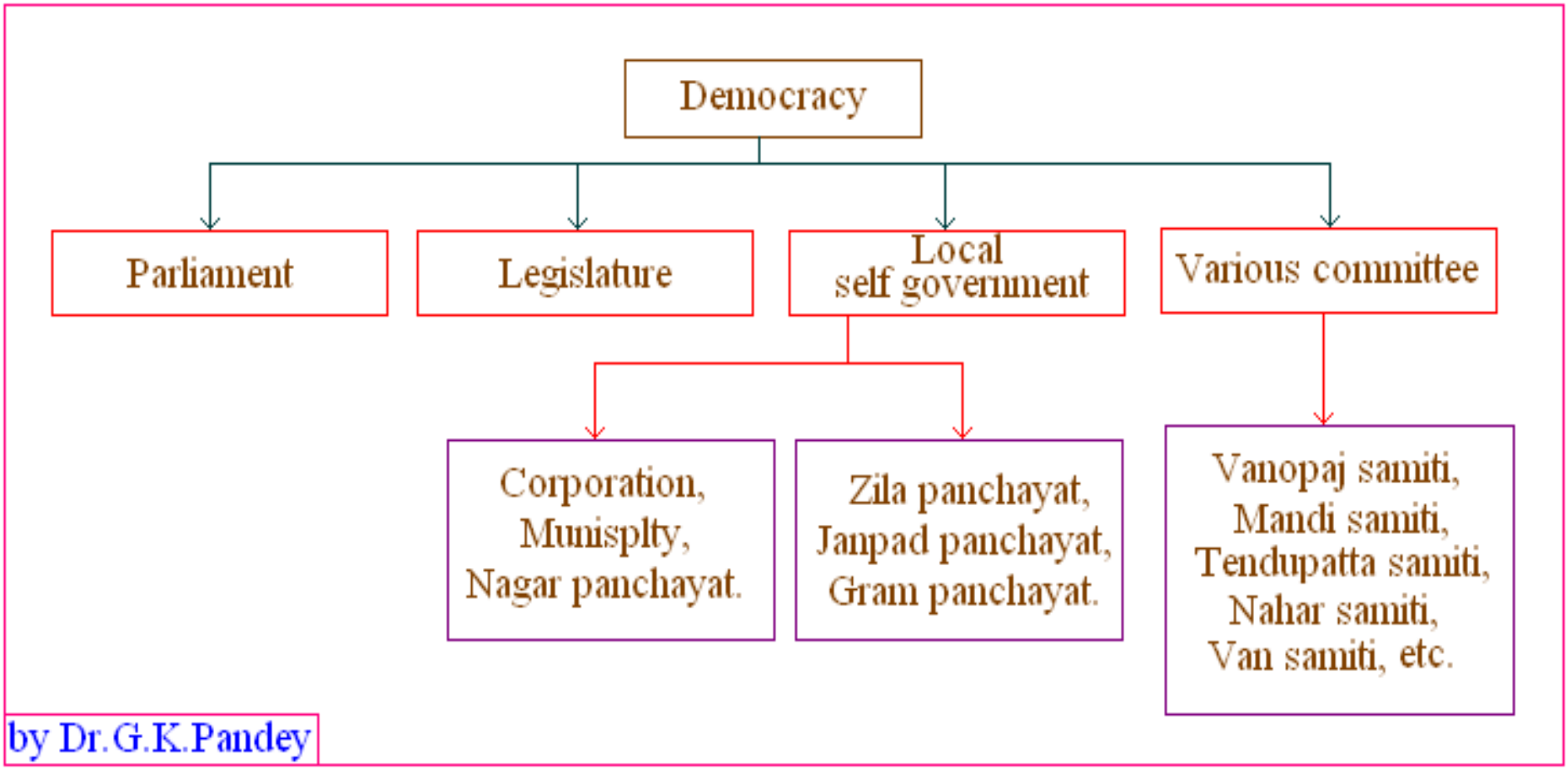
Democracy
Parliament
Legislature
Local self government
Various committee
Corporation, Munisplty, Nagar panchayat.
Zila panchayat, Janpad panchayat, Gram panchayat.
Vanopaj samiti, Mandi samiti, Tendupatta samiti, Nahar samiti, Van samiti, etc.
by Dr.G.K.Pandey

पाण्डेय समीकरण (Pandey Equation)

I = [Cxrel Xrel + Cxlang Xlang + Cxethn Xethn] x
[Cyfor Yfor + Cyphy YPhy] x
[Czido Zido + Czmon Zmon + Cztr Ztr +
Czstl Zstl] x
[Cppoo Ppoo + Cpemp Pemp + Cpdev Pdev] x
[Cqpo Qpo + CQpp Qpp + CQgg Qgg] +
Io

- I – Propensity towards insurgency shown by an area

- Xrel – Social Separate Identity (SSI)due to religion
- Xlang – SSI due to language
- Xethn – SSI due to ethnicity

- Yfor – Average forest cover of an area
- Yphy – Physical features of an area

- Zido – External ideology flown of an area
- Zmon – External money flown of an area
- Ztr – External training available for insurgents
- Zstl – External shelter available for insurgents

- Ppoo – Ratio of poverty of an area
- Pemp – Ratio of un employment of an area
- Pdev – Ratio of un development of an area

- Opo – Political opportunities available of an area
- Opp – Political participation of population
- Ogg – Availabilities of good governance

- Io – The value of I when all the other factors on the right hand side are 0

- All words beginning by C – Coefficients or weights given to each variable

Pandey Equation

I = [Cxrel Xrel + Cxlang Xlang + Cxethn Xethn] ×
[Cyfor Yfor + Cyphy Yphy] ×
[Czido Zido + Czmon Zmon + Cztr Ztr + Czstl Zstl] ×
[Cppoo Ppoo + Cpemp Pemp + Cpdev Pdev] ×
[Cqpa Qpa + Cqpp Qpp + Cqgg Qgg] + Io

Xrel	=	धर्म के कारण अलग सामाजिक स्वरूप की शक्ति
Xlang	=	भाषा के कारण अलग सामाजिक स्वरूप की शक्ति
Xethn	=	समुदाय के कारण अलग सामाजिक स्वरूप की शक्ति
Yfor	=	क्षेत्र में औसत वन क्षेत्र का विस्तार
Yphy	=	क्षेत्र का भू–भौतिकी बनावट

Zido = क्षेत्र पर बाहरी विचार धारा का प्रभाव

Zmon = क्षेत्र पर बाहरी धन का आवक

Ztr = क्षेत्र की जनता का बाहर प्रशिक्षण

Zstl = क्षेत्र की जनता का बाहर प्राप्त होने वाला आश्रय

Ppoo = क्षेत्र में व्याप्त गरीबी

Pemp = क्षेत्र में व्याप्त बेरोजगारी

Pdev = क्षेत्र में विकास की कमी

Qpa = जनता का राजनीतिक पहुंच की कमी

Qpp = जनता का राजनीतिक गतिविधियों में सहभागिता

Qgg = क्षेत्र में अच्छा प्रशासन

Cxrel, Cxlang, Cxethn, Cyfor, Cyphy, Czido, Czmon, Cztr, Czstl, Cppoo, Cpemp, Cpdev, Cqpa, Cqpp, Cqgg = संबंधित के गुणांक है ।

उपरोक्त समीकरण पांच भागों में बंटा है –

X पृथक सामाजिक पहचान, Y भौगोलिक कारक, Z बाहरी प्रभाव, P आर्थिक कारक और Q राजनीतिक कारक ।

समीकरण का निम्न लघु रूप है –

$$I = CxX \times CyY \times CzZ \times CpP \times CqQ + Io$$

Propensity of Insurgency (I) = Sociological effects ✖
Geographical effects ✖
External effects ✖
Developmental issues ✖
Governance issues

पाण्डेय समीकरण का परीक्षण

बस्तर के लिए - Xrel = 0, Xlang = 0, Zmon = 0, Zstl = 0, Io = 0.

इस प्रकार उपरोक्त मान को पाण्डेय समीकरण में रखने पर –

I = [O+O+Cxethn Xethn] × [Cyfor Yfor + Cyphy Yphy] × [Czido Zido + O + Cztr Ztr + O] × [Cppoo Ppoo + Cpemp Pemp + Cpdev Pdev] × [Cqpa Qpa + Cqpp Qpp + Cqgg Qgg] + O

I = [Cxethn Xethn] × [Cyfor Yfor + Cyphy Yphy] × [Czido Zido + Cztr Ztr] × [Cppoo Ppoo + Cpemp Pemp + Cpdev Pdev] × [Cqpa Qpa + Cqpp Qpp + Cqgg Qgg]

X समूह – बस्तर में सभी आदिवासी समुदाय के लोग हैं ।

Y समूह – वन क्षेत्र और भू–भौतिकी बनावट से है, जिसे खत्म नहीं किया जा सकता है ।

Z समूह – विचारधारा को दूसरे विचारधारा या शिक्षा से तथा गुरिल्ला प्रशिक्षण को सुरक्षा बलों के माध्यम से खत्म किया जा सकता है ।

P समूह – क्षेत्र में व्याप्त गरीबी, बेरोजगारी और विकास से जुड़ी पिछड़ापन को विकास के सभी आयाम से खत्म किया जा सकता है ।

Q समूह – जनता का राजनीतिक पकड़ तथा सहभागिता और क्षेत्र में सुप्रशासन को वहां लोकतांत्रिक जड़ो को मजबूत बनाकर खत्म किया जा सकता ।

फलत : $X \neq 0$

$Y \neq 0$

अंततः Z समूह सुरक्षा बलों से, P समूह विकास से और Q समूह लोकतंत्र से खत्म हो सकता है ।

Z, P और Q में से किसी का भी मान शून्य होने से विप्लव समाप्त हो सकता है, जैसे पंजाब या मिजोरम में हुआ है ।

अतः नक्सलवाद को खत्म करने के लिए
रक्षा **(Defence)**]
विकास **(Development)** और
लोकतंत्र **(Democrasy)**
की आवश्यकता है । यही है - **3D Formula .**

Naxalite Movement and Challenges

Thanks

Dr. Girish Kant Pandey
Registrar,
KTU JM
Raipur, Chhattisgarh